

## वर्ल्ड बैंक के सहयोग से हरियाणा में स्थापित होगा ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेंटर

समाचार गेट/ब्यूरो  
चंडीगढ़। हरियाणा राज्य में जल्द ही वर्ल्ड बैंक की सहायता से ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेंटर की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री नाथ सिंह सैनी और वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधिमंडल के साथ आज यहाँ हुई एक अहम बैठक में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव तथा विदेश सहयोग मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव पूर्व भाजपा के संकल्प पत्र में हरियाणा को वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करने का एक प्रमुख संकल्प है, जिससे युवाओं को एआई और आधुनिक कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। एआई सेंटर की यह पहल हरियाणा प्रदेश को एआई अनुसंधान और नवाचार के केंद्र के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाएगी। इस केंद्र की स्थापना से राज्य की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान मिलने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।



इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से हरियाणा में नदियों को आपस में जोड़ने के लिए भी एक व्यापक योजना तैयार करने का अनुरोध किया। वर्ल्ड बैंक ने भी इस दिशा में सहयोग के लिए गहरी रुचि व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों को जोड़ने से राज्यभर में सिंचाई सुविधाओं में काफी सुधार होने और अमृत सरोवर योजना को लागू करने में मदद मिलेगी, जिसका उद्देश्य जल निकासी को पुनर्जीवित करना और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण क्षमता को बढ़ाना है। इस योजना से बेहतर जल प्रबंधन सुनिश्चित करने के साथ-साथ कृषि उत्पादकता में सुधार हो सकेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य से एक दल शीघ्र ही गुजरात में नदियों को आपस में जोड़ने की योजना का अध्ययन करने के लिए

गुजरात का दौरा करेगा।  
वर्ल्ड बैंक के सहयोग से हरियाणा 2030 तक बनेगा प्रदूषण मुक्त प्रदेश  
बैठक में हरियाणा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। इस पहल का उद्देश्य राज्य में सतत विकास को बढ़ावा देना और वायु गुणवत्ता में सुधार लाना है। इस योजना के तहत वर्ष 2030 तक हरियाणा को प्रदूषण मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। लगभग 3647 करोड़ रुपये के कुल परियोजना निवेश के साथ, वर्ल्ड बैंक ने परियोजना के कार्यान्वयन करने के लिए 2498 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है। हरियाणा सरकार द्वारा 1066 करोड़ रुपये का योगदान दिया जाएगा और अनुदान के रूप में 83

करोड़ रुपये आवंटित किए जाने का प्रावधान किया गया है। यह धनराशि वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों, सतत शहरी विकास और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने जैसी पहलों पर खर्च की जाएगी। हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट को आगामी 6 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। इसके तहत 11 विभागों के सहयोग से हवा प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण, विभिन्न सेक्टरों में प्रदूषण से निपटान के उपाय सहित अन्य गतिविधियों को अपनाया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री चंद्रशेखर खरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## एक दिसंबर को दिव्यांग भरेंगे हौसलों की उड़ान

विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर नई उड़ान संस्था ने की पहल  
दिव्यांगजनों के साथ-साथ सामान्य जन भी लेंगे हिस्सा

समाचार गेट/ब्यूरो  
फरीदाबाद। विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर नई उड़ान और रोटी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगों का हौसलाअफजाई के लिए अनेखी पहल की है। एक दिसंबर को जिले के सैंकड़ों दिव्यांगजनों के साथ राजनेता, उद्योगपति, कॉर्पोरेट, खिलाड़ी, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा हौसले की उड़ान जागरूकता मेराथन में दौड़ लगाएंगे। मेराथन को कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल हरी झंडी दिखाएंगे।

नई उड़ान संस्था के सचिव विक्रम नाथ ने बताया कि दिव्यांगों को सहानुभूति नहीं, बल्कि समाज के साथ की जरूरत है। दिव्यांगों में प्रतिभा और हौसला होता है और उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए



समाज, सरकार, कॉर्पोरेट, और मीडिया को मिलकर काम करना चाहिए। इसी उद्देश्य को लेकर नई उड़ान ने हौसले की उड़ान जागरूकता मेराथन का एक दिसंबर को खेल परिसर में आयोजित कर रही है। ताकि दिव्यांगों को नया हौसला मिल सके और वह भी समाज में अपनी नई पहचान बना सकें।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा सरकार में राजस्व एवं शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, मुख्यमंत्री के मीडिया समन्वयक मुकेश वशिष्ठ, रोटी क्लब के गवर्नर महेश त्रिखा, भाजपा जिला

अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, पैरालिंपिक एथलीट कंचन लखानी, पूर्व विधायक नयनपाल रावत, पूर्व दिव्यांग आयोग कमिश्नर राजकुमार मन्कड़, देश की पहली भारत की ब्लेड-रनर पैरा-एथलीट किरण कनौजिया, एसडीएम शिखा अंतिल, रेडक्रॉस सचिव बिजेंद्र सौरात, इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष पूजा जैन, मॉनिंग हेल्थ क्लब के अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी, अन्तराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी ललिता ठाकुर, जिला पार्षद स्वेत स्नेहा, एनसीआर इंफोटेनेमेंट एसोसिएशन की अध्यक्ष एकता रमन, डॉ. अमीर सिद्दीकी, मद्र

टेरेसा सेवा क्लब की अध्यक्ष निशा गुप्ता और काफिरा राइडर्स सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।  
मेराथन का रूट  
मेराथन आयोजक मोहम्मद असलम ने बताया कि मेराथन दौड़ सुबह 9 बजे सेक्टर-12 स्थित खेल परिसर से शुरू होकर सेक्टर-15 मार्केट से होते हुए, सनफ्लैग हॉस्पिटल रेड-लाइट से डीसी निवास के सामने वाले रोड से होते वापिस खेल परिसर में सम्पन्न होगी। समापन समारोह में अतिथियों द्वारा 10 विजेता धावकों को सम्मानित किया जाएगा।

## भाजपा ने हरियाणा को बनाया ड्रग्स, अफीम, चिट्टा, हेरोइन, ब्राउन शुगर, स्मैक, चरस, गांजा, कोकीन, भांग और सुलाफा का अड्डा : हुड्डा

नशे को बढ़ावा दे रही बीजेपी सरकार, सतर्कता बरतें अभिभावक व आम जनता- हुड्डा

5 साल में 15 लाख लोग नशे का इलाज करवाने पहुंचे अस्पताल व नशा मुक्ति केंद्र- हुड्डा



नशे की दलदल में फंसे लाखों लोग इलाज के लिए आगे नहीं आते हैं और अपनी जिंदगी तबाह कर लेते हैं। हुड्डा ने कहा कि अस्पतालों व नशा मुक्ति केंद्रों में पहुंचे ज्यादातर मरीज पंजाब व राजस्थान के साथ लगते जिलों से हैं। यानी हरियाणा सरकार को पता है कि प्रदेश में नशा किस तरफ से आ रहा है। लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे स्पष्ट है कि सरकार प्रदेश में जानबूझकर नशे को बढ़ावा दे रही है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी भी नशे के बढ़ते साम्राज्य की एक वजह है।

## गुरुग्राम में एक दिसंबर से प्रभावी होंगे नए कलेक्टर रेट, डीसी ने उपमंडल व राजस्व अधिकारियों संग बैठक कर दिए जरूरी दिशा निर्देश

आवासीय, कृषि और वाणिज्यिक भूमि के नए कलेक्टर रेट में 10 से 20 प्रतिशत की की गई है बढ़ोतरी : डीसी

समाचार गेट/ब्यूरो  
गुरुग्राम। गुरुग्राम में 1 दिसंबर से नए कलेक्टर रेट लागू किए जाएंगे। डीसी अजय कुमार ने इस संबंध में लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सभी उपमंडल अधिकारियों, राजस्व विभाग के अधिकारियों संग बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला में 1 दिसंबर से लागू किए जा रहे यह नए रेट 31 मार्च 2025 तक पर प्रभावी रहेंगे।

डीसी अजय कुमार ने बताया कि कहा कि जिला में 1 दिसंबर से आवासीय, कृषि और वाणिज्यिक भूमि के लागू किए जा रहे नए कलेक्टर रेट में 10 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। जिसमें संबंधित क्षेत्र की मार्केट वैल्यू का भी ध्यान



रखा गया है। उन्होंने कहा कि जिला में कुछ ऐसे प्रमुख क्षेत्र भी थे जहां मार्केट वैल्यू का भाव अत्यधिक था। ऐसे में उक्त स्थानों के कलेक्टर रेट में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने बताया कि जमीनों की खरीद फरोख को लेकर कलेक्टर रेट बेहद अहम होता है। अलग अलग स्थानों पर वहां के हालात और मार्केट रिसर्च के बाद ही वैल्यू कमेटी अपनी रिपोर्ट देती है। जिसके बाद

राजस्व विभाग और राज्य सरकार रेट बढ़ाने की रिपोर्ट को अंतिम मंजूरी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में 1 दिसंबर से लागू किए जा रहे नए कलेक्टर रेट जिला प्रशासन की वेबसाइट गुरुग्रामडॉटजीओवीडॉटइन पर उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी तहसीलों में निर्धारित मानदंडों का

उल्लंघन ना हो।  
इस अवसर पर बादशाहपुर के एसडीएम अंकित चोकसे, गुरुग्राम के एसडीएम रविंद्र कुमार, पटौदी के एसडीएम दिनेश लुहाव, सोहना के एसडीएम होशियार सिंह, मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव, सीटीएम कुँवर आदित्य विक्रम, जिला राजस्व अधिकारी नरेश कुमार, सहित सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

## बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर मोदी सरकार उठा रही है कदम : पंडित मोहन लाल बड़ौली

समाचार गेट/ब्यूरो  
चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कुरुक्षेत्र में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मोदी सरकार हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंतित है और उनकी सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए

उन्होंने कहा कि कांग्रेस फोबिया से ग्रसित पार्टी है। बेहोशी की हालत में कांग्रेस के लोग अनाप शानाप बड़बड़ते रहते हैं।  
उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद ईवीएम को खराब बताना कांग्रेस की आदत बन गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार नॉन स्टॉप हरियाणा का विकास कर रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने संकल्प पत्र में जो वादे किए हैं उन्हें पूरा करने का काम नायब सरकार कर रही है।  
शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली कुरुक्षेत्र पहुंचे। यहाँ उन्होंने शाहबाद, पेहवा, थानेसर विधानसभा के प्रवास कार्यक्रम में भाग लिया। श्री बड़ौली ने सदस्यता अभियान की समीक्षा की और सदस्यता अभियान



को गति देने के लिए कार्यकर्ताओं से संवाद किया और आगामी चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत सुनिश्चित करने की बात कही।  
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने गीताजयंती महोत्सव में भी शिरकत की और ब्रह्मसरोवर पर संस्था आरती में भाग लिया। उन्होंने इस सभी कार्यक्रमों में अपील की कि वे धार्मिक और सांस्कृतिक

कार्यक्रमों में भाग लेकर समाज में एकता और भाईचारे का संदेश फैलाएं।  
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण ही हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की विचारधारा से

जोड़कर भाजपा का सदस्य बनाएं। उन्होंने कहा कि हमारा 50 लाख लोगों को पार्टी से जोड़ने का टारगेट है और हम जल्द ही पूरा करेंगे। एक सवाल पर बोलेते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विरुद्ध नेता हैं और उन्हें ओछी राजनीति से बचना चाहिए।

## भूपानी गांव के सगे भाई-बहन ने कुशती प्रतियोगिता में जीते गोल्ड मेडल

मेडल विजेता बच्चों का गांव पहुंचने पर गणमान्य लोगों ने किया जोरदार स्वागत

समाचार गेट/ब्यूरो  
फरीदाबाद। जम्मू कश्मीर में आयोजित नेशनल कुशती प्रतियोगिता में तिगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भूपानी के रहने वाले दो सगे भाई-बहन ने गोल्ड मेडल जीतकर कीर्तमान रचने का काम किया है। आज भूपानी पहुंचने पर दोनों भाई-बहनों का ग्रामीणों ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया और उनकी जमकर प्रशंसा की। इस मौके पर भूपानी गांव के सरपंच संजय भाटी और जिला पार्षद जगत एडवोकेट सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि



जम्मू कश्मीर में 24-25 नवंबर को आयोजित नेशनल कुशती प्रतियोगिता में भूपानी गांव के रहने वाली 12

वर्षीय आयुपी ने 38 किलोग्राम आयु वर्ग में तथा 10 वर्षीय आयुष यादव ने 34 किलोग्राम आयु वर्ग गोल्ड मेडल

जीतकर नया इतिहास कायम किया। इस मौके पर सरपंच संजय भाटी और जिला पार्षद जगत सिंह एडवोकेट ने

दोनों भाई बहन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए न केवल भूपानी गांव बल्कि फरीदाबाद जिले का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया है। उन्होंने दोनों बच्चों के माता-पिता और कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गांव के मौजिज लोगों आयुष व आयुषी का फूल मालाओं एवं गुलदस्तें भेंट कर स्वागत किया और आशा जताई कि भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में भी वह इसी प्रकार का प्रदर्शन करके अपने जिले, प्रदेश व गांव का नाम रोशन करेंगे।

डॉ अरविंद शर्मा जी को समाचार गेट की तरफ से जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं



यतींद्र अग्रवाल जी को समाचार गेट की तरफ से जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं



प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे प्लेटाइन	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किस्मान काल सेंटर	1551
नागरिक काल सेंटर	155300
ब्लड बैंक	9480044444



## जासूसी के आरोप में भारतीय शख्स गिरफ्तार, संवेदनशील जानकारीयां भेजता था पाकिस्तान

देवभूमि द्वारका । गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने देवभूमि जिले के ओखा से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले एक भारतीय शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया शख्स प्राइवेट नौकरी की आड़ में भारतीय कोस्ट गार्ड की संवेदनशील सूचनाएं और तस्वीरें सीमा पार पाकिस्तान को भेजता था। जानकारी के मुताबिक गुजरात एटीएस ने देवभूमि द्वारका के ओखा में एक सफल ऑपरेशन को अंजाम देते हुए पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे एक भारतीय को दबोच लिया। दीपेश गोहिल नामक शख्स पर आरोप है कि वह देवभूमि द्वारका के ओखा पर कोस्ट गार्ड की बेहद संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजता था। दीपेश गोहिल तटरक्षक जहाजों की आवाजाही समेत गतिविधियों की जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाता था। जांच में खुलासा हुआ है कि दीपेश गोहिल ने निजी कंपनी में नौकरी का झांसा देकर संवेदनशील तस्वीरें खींचीं और उन्हें पाकिस्तान भेज दिया। दिनेश गोहिल का सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के कुछ लोगों के साथ संपर्क हुआ था। जांच में पता चला कि तस्वीरें सोशल मीडिया और कुछ अन्य माध्यमों से पाकिस्तान भेजी गईं जो भारतीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचा सकती थीं। पूछताछ में कोस्ट गार्ड और भारतीय समुद्री सीमा की तस्वीरें पाकिस्तान के एक शख्स को भेजे जाने का खुलासा हुआ है। इस पूरे मामले में गुजरात एटीएस ने उस कंपनी के कुछ लोगों से भी पूछताछ की है जहां दिनेश काम करता था। साथ ही दीपेश गोहिल के संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जांच शुरू कर दी है।

## अहमदाबाद पुलिस ने नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में चार लोगों को पकड़ा

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में पुलिस ने एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक सहित चार लोगों को पकड़ा है। वटवा के एक गोदाम से नकली नोट मिले हैं। अहमदाबाद पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को अहमदाबाद के वेजलपुर में नकली करेंसी सफ्टवेयर के बारे में सूचना मिली थी। जिसके बाद इस नकली करेंसी रैकेट का भंडाफोड़ किया गया। 24 साल के मजदूर रौनक राठौड़ को सबसे पहले 50 डॉलर के 119 नकली ऑस्ट्रेलियाई नोट बदलने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया था। राठौड़ ने पूछताछ में बताया कि उसे नकली नोट 24 साल के खुश पटेल से मिले थे, जिसे गिरफ्तार किया गया। खुश ने पुलिस को कथित मास्टरमाइंड 36 साल के मौलिक पटेल तक पहुंचाया, जो एक ट्रांसपोर्ट कारोबारी है। एसओजी को पता चला कि मौलिक 20 साल के छात्र दुष्यंत के साथ मिलकर वटवा के एक कारखाने में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने का काम करता है। पुलिस ने 50 डॉलर के 32 तैयार नकली नोट और 18 आंशिक रूप से छपे हुए नोट बरामद किए हैं। जप्त की गई वस्तुओं की कुल कीमत 11,92,500 है, जिसमें 2,10,000 मूल्य के सात मोबाइल फोन और 16,500 भारतीय करेंसी शामिल है। पुलिस ने नकली करेंसी के लिए टेम्पलेट के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली असली करेंसी भी बरामद की। पिछले महीने नवरंगपुरा इलाके में एक सर्राफा व्यापारी से 500 रुपये के नकली नोटों की स्कौम के जरिए 1.6 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

## कोलकाता में सड़कें रही जाम, हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किया प्रदर्शन

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सड़कें जाम रही। हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कोलकाता की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में चल रहे संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया, वहीं मुस्लिम संगठनों ने वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में प्रदर्शन किया। बंगाल स्टेट जमीयत-उल-उलमा की ओर से विरोध में सभा आयोजित की गई। शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग विरोध में शामिल हुए। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई और साथ ही एक स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की भी मांग की।

हिंदू संगठनों का प्रदर्शन - वहीं दूसरी ओर हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे सुथित अत्याचारों पर प्रदर्शन किया। उन्होंने केंद्र से मुद्दे पर हस्तक्षेप करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा रुख अपनाने की मांग की। इन दोनों बड़े प्रदर्शनों के चलते कोलकाता की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शहर के महत्वपूर्ण मार्गों पर जाम लगा रहा और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

## बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मुख्य शूटर गौतम का लॉरेंस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में नया मोड़ आ गया है। एनसीपी नेता की हत्या में शामिल आरोपी ने बड़ा दावा कर दिया है। आरोपी ने दावा किया है कि जब बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची जा रही थी, तब गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मुख्य शूटर गौतम ने अधिकारियों को बताया कि हत्या की योजना बनाने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है। शूटर ने बताया कि इस दौरान बिश्नोई ने शूटर को हत्या के बाद पुलिस से डरने की जरूरत नहीं की बात कही थी। लॉरेंस ने गौतम से कहा था कि अगर वह पकड़ा जाता है, तब भी वह बर्बर नहीं, उस जेल से कुछ ही दिनों में बाहर निकल गया। शूटर गौतम ने बताया कि बिश्नोई ने हत्या के लिए उस 12 लाख रुपये देने का वादा किया था। इसके अलावा, जेल से बाहर आने के बाद विदेश भेजने की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया था। गौतम के अनुसार बिश्नोई ने बताया कि उसके पास वकीलों की एक टीम है, जो उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ ही दिनों में रिहा करवा देगी।

# प्रदर्शन की चेतावनी, इस बार राकेश टिकैत ने सीधे पीएम मोदी को लिखा पत्र, कर दी यह मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान नेता राकेश टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारत में अनुवर्षिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। पत्र में ऐतिहासिक उदाहरणों का संदर्भ दिया गया है जहां अनुवर्षिक रूप से संशोधित फसलों, जैसे बैसिलस थुरिंजिएन्सिस (बीटी) कपास की शुरूआत ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। टिकैत ने किसानों के सामने बढ़ती इनपुट लागत और अप्रत्याशित जलवायु परिस्थितियों, फसल की पैदावार को प्रभावित करने और किसानों की आय में कमी सहित बढ़ती चुनौतियों को भी संबोधित किया।

पत्र में, टिकैत ने बताया कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, किसानों को उनकी उपज का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक दुर्दशा और खराब हो रही है। अनुवर्षिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों के पौधे हैं जिनके डीएनए को विशिष्ट



वांछनीय लक्षण विकसित करने के लिए अनुवर्षिक इंजीनियरिंग के माध्यम से संशोधित किया गया है। इस प्रक्रिया में अक्सर अन्य जीवों, जैसे बैक्टीरिया या पौधों के जीन को फसल की अनुवर्षिक संरचना में शामिल करना शामिल होता है।

टिकैत ने अतीत में कुछ फसलों के खेत परीक्षण को रोकने के लिए, भारतीय किसान

यूनियन (बीक्यू) द्वारा उठाए गए कदमों को याद किया, और आज इसी तरह के खतरों के खिलाफ सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जीएम फसलों के सक्रिय विरोध के बावजूद, देश में ऐसी फसलों का अनधिकृत प्रवेश जारी है। टिकैत के अनुसार, आयात प्रक्रिया के दौरान मौजूदा नियमों और मानकों के कमजोर प्रवर्तन

के कारण ऐसा होता है, जिससे राष्ट्रीय जैव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए, टिकैत ने नियामक ढांचे को मजबूत करने और विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील जैसे जीएम-उत्पादक देशों से आयात की निगरानी बढ़ाने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए एक बैठक बुलाने का सुझाव दिया। उन्होंने मानव स्वास्थ्य पर जीएम फसलों के हानिकारक प्रभावों, जैसे संभावित कैंसर के खतरों और त्वचा की बीमारियों, और पशुधन और परागणकों पर उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में चेतावनी दी। टिकैत ने जीएम बीजों पर प्रतिबंध लगाने और अनधिकृत क्षेत्र परीक्षणों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आह्वान किया, अगर सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तो बीक्यू द्वारा राष्ट्रीय विरोध प्रदर्शन की धमकी दी गई।

## संभल में जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट जारी, पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

\* लोगों से की शांति की अपील, किसी भी तरह की अफवाह पर ना दें ध्यान

मुरादाबाद (एजेंसी)। संभल हिंसा के बाद जिले में अलर्ट जारी है। सोशल मीडिया, व्हाट्सएपग्रुप और फेसबुक पर पुलिस पूरी तरह से नजर रख रही है। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर विशेष रूप से अलर्ट जारी किया है। शहर को 10 जेन और 43 सेक्टर में बांटा गया है। जामा मस्जिद, जौआइसी और कांठरोड की गुलाब मस्जिद के बाहर फोर्स तैनात की गई है। पुलिस ने शहर के उलेमाओं से संवाद करने के साथ ही फ्लैग मार्च भी निकाला और लोगों से अपील की गई कि

किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। अपील की कि शहर हमारा है और अमन की जिम्मेदारी भी हमारी है। इसलिए अपने क्षेत्र में किसी भी अनजान को देखें तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। संभल में बवाल के बाद पुलिस सभी धर्मगुरुओं से संवाद कर रही है। एस्प्री सिटी ने नायब शहर इमाम मुफ्ती सैयद फहद अली के अलावा शहर के अन्य उलेमाओं के पास पहुंचे। एस्प्री सिटी ने कहा कि जुमे की नमाज में सभी उलेमा नेकी की हिदायत दें। शहर के माहौल को

खराब नहीं होने देना है। युवाओं से अपील करनी है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। हम सभी को शांति स्थापित करना है। शहर के माहौल को बिगड़ने नहीं देना है। इस दौरान मुफ्ती अशहद रशीदी, मुफ्ती दानिश उल कादरी, रिजवान उर रहमान, शुजाअत अशरफी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

संभल हिंसा के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। कोतवाली संभल



क्षेत्र में हिंसा के दौरान चिन्हित किए गए तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों पर हिंसा भड़काने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और शांति भंग करने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर हिंसा के अन्य संभावित आरोपियों और उनकी साजिश का खुलासा करने का प्रयास कर रही है। साथ ही, इस कार्रवाई को हिंसा से प्रभावित क्षेत्र में शांति बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## टी राजा के बयान से कांग्रेस हुई लाल, खत लिखाकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

इंदौर (एजेंसी)। बीजेपी विधायक टी राजा ने महाकाल में दर्शन करने के बाद बयान देकर कहा था कि महाकाल मंदिर पवित्र और प्राचीन स्थल है। मंदिर से 50 किलोमीटर दूर तक किसी भी मुसलमान की होटल नहीं होना चाहिए। बीजेपी विधायक के बयान के बाद अब मध्यप्रदेश कांग्रेस की बीजेपी सरकार पर हमलावर हो गई है। इंदौर कांग्रेस के नेता और पीसीसी के पूर्व महासचिव ने बीजेपी विधायक टी राजा के बयान पर बीजेपी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि बीजेपी को विधायक राजा हैदराबाद की गोशामहल सीट से विधायक हैं।

मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने बीजेपी को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि गोशामहल विधानसभा से विधायक टी राजा ने उज्जैन में एक बयान दिया



है। सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान का उद्देश्य वर्ग विशेष के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़का कर मप्र में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना है। भारत के संविधान एवं कानून का खुलेआम उल्लंघन किया गया है। विधायक अल्पसंख्यक वर्ग के धर्म और धार्मिक विश्वासों का अपमान कर, उसकी धार्मिक भावनाओं को उस पहुंचा कर और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को

भड़का कर अराजकता फैलाना चाहते हैं। कांग्रेस की मांग है कि विधायक टी राजा पर प्रदेश में सांप्रदायिक नफरत फैलाने का बयान देने के चलते एफआईआर दर्ज करें।

टी राजा ने की थी सीएम से सर्वे की मांग

इसके पहले टी राजा ने कहा था कि महाकाल मंदिर पवित्र और प्राचीन स्थल है। मंदिर से 50 किलोमीटर दूर तक किसी भी मुसलमान की होटल नहीं होना चाहिए। टी राजा ने कहा था कि हिंदू यदि अवित्र जगह में रहकर मंदिर आएंगे, तब पूजा भी स्वीकार नहीं होगी। एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से निवेदन करता हूँ कि महाकाल मंदिर के आसपास जो होटल हैं, उनका सर्वे होना चाहिए। इसमें क्या पक रहा है, क्या बेचा जा रहा है? जांच की जानी चाहिए।

# शिक्षा का स्तर बढ़ा, नौकरियां नहीं, भारत में हर 100 में से 3 लोग बेरोजगार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बेरोजगारी एक अहम सामाजिक और आर्थिक मुद्दा रही है। देश में बेरोजगारी को लेकर बहस होती रहती है। सरकारी आंकड़े और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति हफ्ते में कम से कम एक घंटा ऐसा काम करता है, जिससे आय होती है, तो उसे बेरोजगार नहीं माना जाता है। यह परिभाषा कई देशों में बेरोजगारी को मापने का आधार है। भारत में बेरोजगारी की समस्या इससे कहीं ज्यादा जटिल है। सरकारी रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में हर 100 में से केवल तीन लोग बेरोजगार हैं। असली चुनौती यह है कि 78 फीसदी कामकाजी लोगों की मासिक आय 14 हजार रुपये से कम है। ऐसे में भले ही वे लोग बेरोजगार नहीं माने जाते हैं, उनकी कमाई इतनी कम होती है कि उन्हें अपना परिवार चलाने की मुश्किल होती है।

भारत का सबसे शिक्षित राज्य केरल, जिसकी साक्षरता दर 96.2 फीसदी है, वहां बेरोजगारी दर देश में सबसे ज्यादा 7.2 फीसदी है। यह स्थिति चौंकाने वाली है, क्योंकि ज्यादा साक्षरता को आमतौर पर रोजगार से जोड़कर देखा जाता है। इसके विपरीत, मध्य प्रदेश में बेरोजगारी दर सबसे कम एक फीसदी है। यह विरोधाभास देश में रोजगार व्यवस्था और अवसरों की असमानता को उजागर करता है।

केरल के बाद बेरोजगारी दर में पंजाब (5.5 फीसदी), राजस्थान (4.2 फीसदी), और तमिलनाडु (3.5 फीसदी) का स्थान है। दूसरी ओर, गुजरात, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में बेरोजगारी दर क्रमशः 1.1 फीसदी, 1.3 फीसदी, और 2.5 फीसदी है। पढ़ाई और बेरोजगारी के बीच एक चिंताजनक संबंध देखने को मिलता है। पिरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे और आईएलओ की रिपोर्ट्स बताती हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं में बेरोजगारी का स्तर ज्यादा है। छिलोमा या उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों में यह दर 12 फीसदी से

भी ज्यादा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत के कुल बेरोजगारों में 83 फीसदी युवा थे। यह आंकड़ा दिखाता है कि शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार की कमी एक गंभीर समस्या बन गई है। अंकड़े धर्म के आधार पर बेरोजगारी की स्थिति को भी उजागर करते हैं। सिख समुदाय में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा 5.8 फीसदी है। ईसाई समुदाय में यह दर 4.7 फीसदी है। मुस्लिमों में 3.2 फीसदी और हिंदुओं में यह 3.1 फीसदी है। कामकाजी आबादी के को बांध कर तो, हिंदुओं में यह 4.5 फीसदी, मुस्लिमों में 3.7 फीसदी, सिखों में 4.2 फीसदी, और ईसाइयों में 4.5 फीसदी है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 20 सालों में शिक्षित बेरोजगारों की हिस्सेदारी दुगुनी हो गई है। सन 2000 में बेरोजगारों में पढ़े-लिखे लोगों का हिस्सा 35.2 फीसदी था, जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गया। यह तथ्य दर्शाता है कि शिक्षा के बढ़ते स्तर के बावजूद

रोजगार के अवसर नहीं बढ़े। भारत में बेरोजगारी की समस्या केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक और आर्थिक असमानता का एक बड़ा संकेत है। शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार को नई नीतियां लाने और वर्तमान रोजगार व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरूरत है। कौशल विकास, स्वरोजगार को बढ़ावा, और क्षेत्रीय असमानता को कम करना इसके समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। भारत में आर्थिक विकास के बावजूद बेरोजगारी का उच्च स्तर और निम्न आय यह दर्शाते हैं कि विकास के लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ कामकाजी लोगों की आय बढ़ाने की भी जरूरत है। यदि इस समस्या का समाधान समय रहते नहीं किया गया, तो इसका प्रभाव देश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे पर देखने को मिलेगा।

## पेंच : सौदेबाजी के चलते महाराष्ट्र को नहीं मिल पा रहा सीएम

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर हुई तीन घंटे की बैठक के बाद भी महाराष्ट्र का सीएम तय नहीं हो पाया है। इसके पीछे सौदेबाजी और नेताओं के अपने निजी स्वार्थ आड़े आ रहे हैं। माना जा रहा है कि कौन सा विभाग किसके पास होगा इसको लेकर भी चर्चा हुई है। गठबंधन के सहयोगियों के बीच मंत्रिमंडल में पदों के बंटवारे का खाका तैयार किया गया। महायुति सरकार के अगले सप्ताह की शुरुआत में शपथ लेने की संभावना है। बैठक के दौरान तय हुआ कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के पास रहेगा, जबकि दो उपमुख्यमंत्री पदों पर शिवसेना और एनसीपी के नेताओं को नियुक्त किया जाएगा। भाजपा शनिवार को मुंबई में अपने विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा करेगी। अगर देवेन्द्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनते हैं, तो वह गृह विभाग अपने पास रख सकते हैं। वहीं, वित्त विभाग एनसीपी को मिलने की संभावना है। शिवसेना को शहरी विकास और सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे विभाग मिल सकते हैं। कैबिनेट में 43 मंत्री होंगे, जिनमें से 22 पद भाजपा के पास होंगे। शिवसेना को 12 और एनसीपी को 9 मंत्री पद मिलने की संभावना है। कैबिनेट के अलावा, गठबंधन के दल बोर्ड और निगमों में भी हिस्सेदारी पर सहमत हो चुके हैं। एनसीपी ने अपने वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल करने की मांग की है, जबकि शिवसेना भी केंद्रीय कैबिनेट में एक मंत्री पद चाहती है। शिवसेना के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि वर्तमान कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद लेने के इच्छुक नहीं हैं। चर्चा है कि वह अपने बेटे श्रीकांत शिंदे के लिए यह पद छोड़ सकते हैं और खुद केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने पर विचार कर सकते हैं। बैठक में महाराष्ट्र के जातिगत समीकरणों पर भी चर्चा हुई। भाजपा ने गैर-मराठा मुख्यमंत्री की संभावित प्रतिक्रिया और मराठा समुदाय के प्रतिनिधित्व को संतुलित करने के लिए रणनीति तैयार की।

# पीएम बिरयान खाने जा सकते हैं, पर भारत खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगा

-तेजस्वी यादव ने कहा- खेलकूद में राजनीति अच्छी बात नहीं

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है। इस पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि खेलकूद में राजनीति अच्छी बात नहीं है। कोई भी कहीं भी खेलने जाए ये अच्छी बात है। हमारे देश में सभी देश के लोग खेलने आते हैं। हम लोग यही चाहते हैं। खेलकूद की भावना अलग है। हमको लगता है जो लोग इन सब चीजों पर राजनीति करते हैं यह बात ठीक नहीं है।

तेजस्वी ने कहा कि हम लोग तो सबके साथ खेलते हैं। ओलंपिक में सभी देशों के लोग शामिल होते हैं। वहां युद्ध थोड़े ही होता है, वहां केवल खेल होता है। खेल का खेल की नजर से देखना चाहिए। भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरा करने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि क्यों नहीं जाना चाहिए, बिल्कुल जाना चाहिए। क्या पहले कभी भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान



नहीं गई। पहले वह लोग भी आते थे, हम लोग भी जाते थे। पीएम बिरयानि खाने पाकिस्तान जाए तो अच्छी बात है। इंडियन टीम क्रिकेट खेलने जाए तो यह बात हजम नहीं हो रही है।

भारत सरकार ने भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान

जाकर खेलने से इनकार कर दिया है। भारत के कुछ पूर्व क्रिकेटर भी इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी भारत की भागीदारी के बिना नहीं हो सकती। उन्होंने पड़ोसी देशों के बीच सुरक्षा और राजनीतिक तनाव के कारण राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान न भेजने के भारत सरकार के फैसले का समर्थन किया।

बता दें कि भारत की ओर से पाकिस्तान जाने से इनकार करने के बाद, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का भविष्य अधर में लटक गया है, शुक्रवार को आईसीसी बोर्ड की बैठक में इसके कार्यक्रम के बारे में अंतिम फैसला होना है। पाकिस्तान जाने पर भारत की आपत्ति के बीच, दुर्नामित संभवतः हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा, जिसमें भारत अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलेगा।

## मध्य भारत में टंड का असर : 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट, तूफान फेंगल 30 नवंबर को तमिलनाडु से टकरा सकता है

नई दिल्ली । देश के राज्यों में टंड का मौसम बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने मध्य भारत के 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश में लाहौल स्पीति क्षेत्र में रात का तापमान माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया है। ? विशेषज्ञों का कहना है ? कि टंड और बढ़ सकती है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश के कुछ भागों में भी सर्दी का महसूस किया जा रहा है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में ज्यादा सर्दी पड़ रही है। यहां रात का तापमान 7 डिग्री से नीचे है। तमिलनाडु में फेंगल तूफान के असर से बारिश की संभावना है, जिससे कई इलाकों में तेज बारिश की गिरिवात चल रही है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी बारिश का अनुमान है। इस तरह से देश के विभिन्न क्षेत्रों में मौसम की भारी बदलाव से लोग सतर्क रहे और टंड से अपनी सुरक्षा का खयाल रखें।

## श्रीलंका ने निभाया पड़ोसी धर्म, समुद्र में हो रही ड्रग स्मगलिंग का भेजा मैसेज

- अपने ही नागरिकों को भारतीय नौसेना से पकड़वाकर भेजा जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूर-दूर तक फैला नीला समुद्र तस्करों करने वाले श्रीलंका ने ये सोचा भी नहीं होगा कि कोई उन्हें कोई देख भी रहा है और वह पकड़े जाएंगे लेकिन वह पकड़े गए और ये हुआ श्रीलंका की तरफ से भेजे गए एक टिप के बाद। समुद्र में ड्रग की स्मगलिंग करने वाले अपने नागरिकों को श्रीलंका ने ही भारतीय नौसेना के जरिए पकड़वाया है।

इस पूरे ऑपरेशन की जानकारी भारतीय नौसेना ने साझा करते हुए कहा कि श्रीलंका की नौसेना के तर्फ से एक मैसेज मिला कि अब सागर श्रीलंका पलैंग फिशिंग वेसेल के जरिए ड्रग की स्मगलिंग

हो रही है। मैसेज मिलते ही नौसेना से उस बोट को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया। चूँकि मैसेज इतना ही था कि अरब सागर के इस इलाके में श्रीलंकाई फिशिंग बोट में ड्रग है और इतने बड़े समुद्र में बोट को ढूँढना चुनौती से कम नहीं था।

भारतीय नौसेना ने अपने लॉंग रेंज मेरिटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी8आर और ड्रोन को पर्युल सर्विलांस के लिए लॉन्च किया तो गुरुग्राम स्थित नौसेना के इन्फार्मेशन प्रयुजन सेंटर से इनपुट मिलने के बाद समुद्र में वॉरशिप को भी मूव किया। लंबे सखेलांस के बाद 24-25 नवंबर को दो श्रीलंकाई फिशिंग बोट को पहचान लिया गया, उसे पकड़ा गया। तलाशी के बाद उम्र में 500 किलोग्राम क्रिस्टल मेथ ड्रग बरामद की गई। दोनों बोट और उम्र में पकड़े

गए लोगों को श्रीलंका के हवाले कर दिया गया है।

भारतीय नौसेना अरब सागर में श्रीलंका की बोट को ढूँढ रही थी तो उसी वक्त बंगाल की खाड़ी में अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड भी ड्रग से भरी म्यांमार की फिशिंग बोट को तलाश रही थी। 23 नवंबर के अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड के डॉनियर एयरक्राफ्ट ने भारतीय इंजेंड में एक संधि बोट को देखा तो तुरंत कार्रवाई करते हुए को कोस्ट गार्ड ने बोट को रोककर तलाशी ली और अब तक की सबसे बड़ी ड्रग की खेप पकड़ में आई। इस ऑपरेशन में 5500 किलो मेटाफेटामाइन बरामद किया है। इसे फिक ड्रग या जाबा के तौर पर भी जाना जाता है।



## विधायक धनेश अदलखा की कार्यशैली ने बनाया बड़खल विधानसभा के लोगों को दिवाना

**समाचार गेट/संजय शर्मा**  
**फरीदाबाद।** बड़खल विधायक धनेश अदलखा इन दिनों बड़खल विधानसभा के लोगों में खास चर्चा का कारण बने हुए हैं। कारण उनके काम करने की शैली जिसे उन्होंने दिवाना बना दिया है। लोगों का तो यहां तक कहना है कि विधायक धनेश अदलखा नायक फिल्म के अनिल कपूर की तरह तुरन्त निर्णय लेने में माहिर हैं। रोजाना उनके कार्यालय में काम करवाने आने वाले लोगों से ज्यादा धन्यवाद करने वालों की भीड़ रहती है। आज भी उनके कार्यालय में बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों जिसमें सैनिक कालोनी, पांच नंबर, एसजीएम नगर, एक नंबर से लोग अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए। इनमें से ज्यादातर लोगों की समस्याओं को विधायक धनेश अदलखा ने मौके पर ही निपटा दिया और कुछ लोगों को कागजों की नुट्टी टोक करके लाने के लिए कहा गया। कुछ युवा तो ऐसे थे जो अपना काम होने पर विधायक को मिटाई खिलाते नजर आए और कुछ बुजुर्ग पेंशन और आयुष्मान कार्ड बनने पर उन्हें आशीर्वाद देते। इस मौके पर धनेश अदलखा ने कहा



कि बड़खल की जनता को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो यह मेरी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा वार्ड 11, 12, 13 और 14 में सर्वे हो चुका है और एस्टीमेट कमप्लीट करने के लिए भेज दिया गया है। सीवर लाईन साफ करने का काम तेजी से चल रहा है। खराब पड़ी बिजली की लाइटों को ठीक किया जा रहा है, और जहां लाइट की

जरूरत है वहां नई लाइटों को लगाने का काम भी चल रहा है। इसके अलावा पार्कों के नवीनीकरण और सोन्दर्यकरण का काम भी गति से चल रहा है। धनेश अदलखा ने कहा कि जल्दी ही यहां की जनता को एक नया बड़खल देखने के मिलेगा जिसकी चर्चा हरियाणा ही नहीं अपितु पूरे देश में होगी। उन्होंने कहा कि में भाजपा का सच्चा सिपाही हूँ

जिसकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। धनेश अदलखा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में विकास का पहिया तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आपने भाजपा और मुझमें जो विश्वास व्यक्त किया है पूरी सच्चाई और ईमानदारी से आपके काम पूरी पारदर्शिता से करूंगा।

## ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन



**समाचार गेट/ब्यूरो**  
**फरीदाबाद।** जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष संदीप गर्ग के कुशल मार्गदर्शन और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव रीतू यादव के निदेशन में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर ताऊ देवी लाल वृद्धाश्रम, एनएच-2, डी-ब्लॉक, एनआईटी, फरीदाबाद में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर में

अमृता अस्पताल, सेक्टर 81, फरीदाबाद और केदार अस्पताल, एनआईटी फरीदाबाद की चिकित्सा टीमों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। अमृता अस्पताल की ओर से डॉ. निशा, डॉ. मोहित तेवतिया, शिवम (सहायक प्रबंधक), मोहित राणा (वरिष्ठ कार्यकारी) और उनकी टीम उपस्थित रही। वहीं, केदार अस्पताल से डॉ. विनोद और उनकी टीम ने भी शिविर में भाग लिया।

शिविर का उद्घाटन मुख्यातिथि के तौर पर समाज सेविका सुनीता गर्ग और विशिष्ट अतिथि सुमन यादव ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद वृद्धाश्रम के प्रबंधक कृष्ण लाल बजाज ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि सुनीता गर्ग ने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और शिविर के माध्यम से किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने वृद्धाश्रम के

निवासियों से बातचीत की और उनकी स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों को फल वितरित किए। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में 60 वरिष्ठ नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। चिकित्सा टीम ने निवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया। इस आयोजन के दौरान प्रमुख रक्षा वकील रविंद्र गुप्ता और आशुलिपिक प्रभात शंकर भी मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, फरीदाबाद ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अमृता अस्पताल और केदार अस्पताल की पूरी टीम, वृद्धाश्रम प्रबंधन और सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना और उनकी भलाई सुनिश्चित करना था।

## कर्मचारियों को यूपीएस स्वीकार नहीं, ओपीएस बहाली तक संघर्ष जारी रहेगा : सुभाष लांबा

बिजली वितरण के निजीकरण से कर्मचारियों की होगी छंटनी व बिजली के रेट बढ़ेंगे

**समाचार गेट/ब्यूरो**  
**फरीदाबाद।** उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ, जनपद बलिया का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव लोक निर्माण विभाग परिसर में राज्य प्रधान कमल अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, उपाध्यक्ष एसपी सिंह, कमलेश मिश्रा, संरक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, महामंत्री मंसूर अली सहित कर्मचारियों एवं शिक्षकों के दर्जनों पदाधिकारी के अलावा हजारों प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



अधिवेशन में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन द्वारा वाराणसी व आगरा विधुत वितरण निगमों के निजीकरण करने की घोर निन्दा की और इस पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। राज्य संरक्षक कमलेश मिश्रा ने अधिवेशन के संचालन एवं शैड्यूल की विस्तृत जानकारी दी। राज्य अध्यक्ष कमल अग्रवाल ने सरकार को भेजे मांग पत्र व कई स्मरण पत्र लिखने के बावजूद कर्मचारियों की लंबित मांगों का समाधान करना तो दूर बातचीत तक करने की घोर निन्दा की और अविरोध मांगों का समाधान करने की मांग की। अधिवेशन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने यूपीएस को सिरे से खारिज करते हुए पीएफआरडीए

एक्ट रह कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का दुर्भाग्य है कि कुछ कर्मचारी संगठनों के नेता सरकार के प्रवक्ता बनकर यूपीएस को बेहतर बताते हुए इसका गुणगान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों और पीएएसयू में एक करोड़ से ज्यादा पद रिक्त हैं और दूसरी तरफ बेरोजगारी चरम पर है। लेकिन केन्द्र एवं राज्य सरकार रिक्त पदों को स्थाई भर्ती से भरने की बजाय बहुत कम रिक्त पदों के विरुद्ध सविदा पर नौजवानों को तैनात कर रही है। सेना में भी चार साल के लिए अग्निवीर तैनात किए जा रहे हैं। अधिवेशन में जयप्रकाश को अध्यक्ष व राजेश रावत को महामंत्री चुना गया। अधिवेशन राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जनपद मंत्री वेदप्रकाश पांडेय व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया। इनकी देखरेख में सर्व सम्मति से हुए चुनाव में जय प्रकाश सिंह जनपद अध्यक्ष, अरुण कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संदीप सिंह, श्वेता मिश्रा, जितेंद्र कुमार, विजय कुमार वर्मा, मिथिलेश्वर मिश्र व चन्दन

पटेल को उपाध्यक्ष, राजेश रावत महामंत्री, मनोज कुमार प्रजापति को कोषाध्यक्ष, भारत भूषण को संगठन मंत्री व रूपेश प्रचार मंत्री चुना गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने पद एवं जिम्मेदारी की शपथ दिलाई।

## हत्या के प्रयास में दो युवक काबू

**समाचार गेट/ब्यूरो**  
**फरीदाबाद।** लडाईं झगड़े व हत्या के प्रयास के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-65 की टीम ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 लोहे के पाईप व वारदात में प्रयोग स्विफ्ट कार बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार थाना सदर बल्लभगढ़ में अमित कुमार वासी सोतई द्वारा शिकायत में बतलाया कि 22 मई को वह अपने छोटे भाई मनीष और मामा के लडके भारत के साथ बाइक पर बल्लभगढ़ से आ रहे थे। बाइक को भारत चला रहा था, रास्ते में आईएमटी में एक सफेद रंग की कार तेजी आई और गाड़ी को बाइक की बराबर में लगाकर टक्कर मारी, गाड़ी को दिवेश चला रहा था। गाड़ी से अंकित निकलकर आया और उसके हाथ में चोट मारी। जिस पर भारत ने वहां से बाइक भगा दी और सीधी आईएमटी धनखड़ कॉलोनी में ले गया, वहां पर आरोपी कान्हा गाड़ी स्विफ्ट सफेद रंग लेकर खड़ा था। जिसने बाइक के सामने अपनी गाड़ी लगा दी और हमारा पीछा कर रहे दिवेश ने पीछे से अपनी कार से हमारी बाइक में सीधी टक्कर मारी। टक्कर लगने पर भारत और मनीष वहां से भाग गए। इसके बाद दिवेश, नकुल, अंकित और कान्हा व अन्य दोनों गाड़ियों में से बहार निकले। उन्होंने अपने हाथों में लोहे के पाईप लेकर जान से मारने की नीयत से जानलेवा हमला किया। आरोपियों का शिकायतकर्ता के साथ दीवानी मुकदमा चल रहा है। जिसकी रजिस्ट्रार खते आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया है। जिस संबंध में आरोपियों के खिलाफ थाना सदर बल्लभगढ़ में योजना के तहत हत्या के प्रयास, लडाईं-झगड़े की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।



## सीएसआर के तहत सामाजिक सहभागिता निभाएं कॉर्पोरेट सेक्टर : डीसी

**समाचार गेट/ब्यूरो**  
**फरीदाबाद।** डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सामाजिक सहभागिता के साथ गौशाला में गौ वंश की सेवा की जा रही है। कॉर्पोरेट कंपनी प्रतिनिधियों का दायित्व बनता है कि इस पुनीत अभियान में सीएसआर फंड के माध्यम से अपना दायित्व निभाएं। गोवंश के लिए प्रशासन समय समय पर कॉर्पोरेट कंपनियों के माध्यम से सीएसआर फंड से गौशाला निर्माण उसकी देखरेख पर भी कार्य करा रहा है।



डीसी विक्रम सिंह ने शुक्रवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में कॉर्पोरेट कंपनियों के अधिकारियों के साथ गौशाला के संबंध में समीक्षा बैठक की। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि गांव भूपानी में गौशाला के लिए जगह चिन्हित कर ली गयी है। गौशालाओं का प्रबंधन और संचालन प्रशासन स्तर

पर, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से या सीएसआर के तहत आने वाली कंपनियों की मदद से ही किया जा सकता है। डीसी ने कहा कि जिला फरीदाबाद में कई गौशाला हैं लेकिन अधिकतर में गौ वंश की संख्या ज्यादा हो गयी है जिसके लिए गांव भूपानी में नई गौशाला की जगह चिन्हित कर ली

गयी है ताकि सडकें पर घूम रही गाय को इस गौशाला में ले जाया जा सके। गौशाला में गौ वंश की पूर्ण रूप से देखभाल की जा सके इसके लिए जिले में कई ऐसी कंपनियां तथा कारपोरेट कार्यालय हैं जो जिला प्रशासन का सीएसआर के जरिए समय समय पर सहयोग करते हैं। इसी के चलते भूपानी में गौशाला

के लिए चिन्हित जगह पर गायों और स्ट्रीट डॉग के लिए दो-दो एम्बुलेंस सीएसआर फंड से देने के लिए कॉर्पोरेट कंपनियों के अधिकारियों से कहा गया। बैठक में नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त स्वर्णल रविंद्र पाटिल, एसडीएम शिखा सहित कॉर्पोरेट कंपनियों के प्रतिनिधियों मौजूद रहे।

## पंचकूला में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रत्येक व्यक्ति नशे से रहें दूर तभी होगा जीवन भरपूर : डॉ. अशोक कुमार वर्मा

**समाचार गेट/ब्यूरो**  
**पंचकूला।** हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख/पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह साहब के दिशा निर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में प्रतिदिन नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा प्रतिदिन किसी न किसी जिले में नशे के विरुद्ध जागरूक कार्यक्रम करते हैं। वे साइकिल के साधन का प्रयोग करते

हुए गाँव गाँव तक नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक कर रहे हैं। आज वे पंचकूला पहुंचे और विभिन्न स्थानों पर नशे के विरुद्ध जागरूक किया। वे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोट पहुंचे और प्राचार्या मंजीत कौर की अध्यक्षता और शिक्षिका सबीना यादव की उपस्थिति में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय 21 वां जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में 281 विद्यार्थियों और 24 शिक्षकों ने भाग लिया। मंच का संचालन शिक्षिका सबीना यादव ने किया। ब्यूरो के जागरूकता

कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा मनुष्य के जीवन में अभिशाप है जो शोक बनकर आता है और मनुष्य के जीवन, परिवार और कहीं न कहीं समाज और राष्ट्र के लिए शोक में परिवर्तित हो जाता है। नशे रुपी दानव ने न जाने कितने माओं के लाल और कितने पत्नियों के सुहाग उजाड़ दिए। कितने बच्चों के पिता इस संसार से चले गए। नशे पर प्रहार करते हुए डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि विधि

अनुसार नशे को प्रतिबंधित और चेतावनी युक्त नशों में विभाजित किया जा सकता है। भारत सरकार द्वारा एनडीपीएस एक्ट बनाकर इस पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस और ब्यूरो द्वारा 2023 में 3823 अभियोग अंकित कर 5460 नशा तस्करो को सलाखों के पीछे भेजा है इस वर्ष जनवरी से नवंबर 2024 तक 3005 अभियोग अंकित कर 4523 नशा अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा है। लेकिन यह सत्य है कि केवल पकड़ने मात्र से नशा मुक्त अभियान सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जागरूकता भी आवश्यक है। डॉ. वर्मा ने वार्तालाप कर नशे की समस्या पर चिंतन किया और कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 का वर्णन करते हुए बताया कि इस पर नशा तस्करो में संचित अपराधियों की गुप्त सूचनाएं दे। उन्होंने कविता और गायन के माध्यम से भी नशे के विरुद्ध जागरूक किया और अंत में शपथ दिलाई।

कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा मनुष्य के जीवन में अभिशाप है जो शोक बनकर आता है और मनुष्य के जीवन, परिवार और कहीं न कहीं समाज और राष्ट्र के लिए शोक में परिवर्तित हो जाता है। नशे रुपी दानव ने न जाने कितने माओं के लाल और कितने पत्नियों के सुहाग उजाड़ दिए। कितने बच्चों के पिता इस संसार से चले गए। नशे पर प्रहार करते हुए डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि विधि

कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा मनुष्य के जीवन में अभिशाप है जो शोक बनकर आता है और मनुष्य के जीवन, परिवार और कहीं न कहीं समाज और राष्ट्र के लिए शोक में परिवर्तित हो जाता है। नशे रुपी दानव ने न जाने कितने माओं के लाल और कितने पत्नियों के सुहाग उजाड़ दिए। कितने बच्चों के पिता इस संसार से चले गए। नशे पर प्रहार करते हुए डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि विधि

कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा मनुष्य के जीवन में अभिशाप है जो शोक बनकर आता है और मनुष्य के जीवन, परिवार और कहीं न कहीं समाज और राष्ट्र के लिए शोक में परिवर्तित हो जाता है। नशे रुपी दानव ने न जाने कितने माओं के लाल और कितने पत्नियों के सुहाग उजाड़ दिए। कितने बच्चों के पिता इस संसार से चले गए। नशे पर प्रहार करते हुए डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि विधि

कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा मनुष्य के जीवन में अभिशाप है जो शोक बनकर आता है और मनुष्य के जीवन, परिवार और कहीं न कहीं समाज और राष्ट्र के लिए शोक में परिवर्तित हो जाता है। नशे रुपी दानव ने न जाने कितने माओं के लाल और कितने पत्नियों के सुहाग उजाड़ दिए। कितने बच्चों के पिता इस संसार से चले गए। नशे पर प्रहार करते हुए डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि विधि

## जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा मेरे सबसे पुराने मित्रों में से एक : उमेश भाटी

उमेश भाटी के निवास कार्यालय पर भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा

**समाचार गेट/संजय शर्मा**  
**फरीदाबाद।** शहर के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र में भाजपा द्वारा इन दिनों आनलाइन और आफलाइन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के लिए जिला भाजपा के पदाधिकारी जुटे हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा सेक्टर-37 अशोक एन्वेलव मेन में भाजपा वरिष्ठ नेता ठाकुर उमेश भाटी के निवास कार्यालय पर पहुंचे। शिष्टाचार भेंट करने पहुंचे तो राजकुमार वोहरा का ठाकुर उमेश भाटी ने महारणा प्रताप जी का चित्र भेंट कर स्वागत किया। जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने सदस्यता अभियान को तेज करने के लिए चर्चा की। इसके साथ ही हरियाणा सरकार की लाभकारी नीतियां आम जनमानस को सही ढंग से मिले सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।



जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा कि कालेज के छात्र-छात्राओं में अतुलनीय ऊर्जा होती है। कठिन से कठिन लक्ष्य भी युवाओं के ऊर्जा के आगे कुछ नहीं है इसलिए भाजपा

विश्वास रखता है इसलिए विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा बन चुकी है। भाजपा वरिष्ठ नेता ठाकुर उमेश भाटी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा मेरे सबसे पुराने मित्रों में से एक है। कार्यालय पहुंचने पर वह उनका स्वागत करते हैं। भाजपा द्वारा इन दिनों आनलाइन और आफलाइन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। उसको लेकर वह भाजपा सदस्यों के साथ खुद अभियान से लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। मिस्ट कॉल अभियान के जरिए पार्टी का सदस्य बनाने के लिए वह और भाजपा सदस्य भाजपा की मिस्ट कॉल नंबर-8800002024 जो जारी किया गया है। उसके बार में लोगों को बताया जा रहा है। लोगों को नमो ऐप के माध्यम से भी भाजपा की सदस्यता लेने के लिए जागरूक किया जा रहा है। भाजपा ने हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाकर इतिहास रचा है। ऐसे ही प्रदेश में सबसे ज्यादा भाजपा सदस्यता बनाने का रेकॉर्ड भी हम बनाएंगे।

## चौधरी बुध सिंह सरपंच को मातृशोक

**समाचार गेट/ब्यूरो**  
**फरीदाबाद।** गांव नचौली के समाजसेवी चौधरी बुध सिंह सरपंच की माता श्रीमती रमन देवी का बुधवार को 102 वर्ष की आयु में निधन हो गया। स्व. रमन देवी जब तक जंदा रही, उन्होंने पांच पीढ़ियों को साथ रखा और स्वस्थ जिंदगी अपनाते हुए अपने जीवन का शतक पूरा किया। वह अपने पीछे 125 से 130 सदस्यों का परिवार छोड़कर गई हैं, परिवार की सबसे वरिष्ठ सदस्य दादी मां के निधन पर हालांकि



एंड हरियाणा हाईकोर्ट का कहना है कि उनकी मां रमन देवी 102 वर्ष तक जीवित रही, स्वस्थ रही और परिवार के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनीं रहीं, कल उनका अंतिम संस्कार जमुना के तट पर किया गया जहां पर हजारों की संख्या में आसपास के इलाके के गणमान्य लोग मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि आजकल हम ऐसी दुनिया में जीने को मजबूर हैं जहां खाद्य पदार्थ ही नहीं जलवायु भी जीवन के अनुकूल नहीं है, समाज का एक बड़ा वर्ग

खराब दिनचर्या के चलते गंभीर बीमारियों से जूझ रहा है। ऐसे में 60-70 वर्ष की उम्र तक पहुंचना ही अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, स्वस्थ जीवन शैली अपना कर किस तरीके से 100 साल तक स्वस्थ जीवन व्यतीत किया जा सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है फरीदाबाद के एक गांव नचौली की 102 वर्षीय महिला स्वर्गीय रमन देवी ने पेश किया, जिन्का बुधवार को 102 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।



## संपादकीय

## प्राचीन भारत में आर्थिक विकास

भारत में वेदों, पुराणों एवं शास्त्रों में यह कहा गया है कि मानव जीवन हमें मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। मोक्ष प्राप्त के लिए अच्छे कर्मों का करना आवश्यक है। अच्छे कर्म अर्थात् हमारे किसी कार्य से किसी पशु, पक्षी, जीव, जंतु को कोई दुःख नहीं पहुंचे एवं सर्व समाज की भलाई के कार्य करते रहें। अर्थात्, इस धरा पर निवास करने वाले प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, मंगल हो। ऐसी कामना भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में की जाती है।

इसी प्रकार, धर्म के महत्व को स्वीकार करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र, नारद की नारद स्मृति और यागवल्क्य की यागवल्क्य स्मृति में कहा गया है कि 'अर्थशास्त्रस्तु बलवत् धर्मशास्त्र नैतिकसंयुत'। अर्थात्, यदि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं नैतिकता के सिद्धांत के बीच कभी विवाद उत्पन्न हो जाए तो दोनों में से किसे चुनना चाहिए। कौटिल्य, नारद एवं यागवल्क्य कहते हैं कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की तुलना में यानी केवल पैसा कमाने के सिद्धांतों की तुलना में हमको धर्मशास्त्र के सिद्धांत अर्थात् नैतिकता, संयम, जिससे समाज का भला होता हो, उसको चुनना चाहिए। कुल मिलाकर अर्थशास्त्र धर्म के आधार पर चलना चाहिए। गुनार मुडल जिनको नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं जिनकी 'एशियन ड्रामा' नामक पुस्तक बहुत मशहूर हुई थी। उन्होंने एक और छोटी किताब लिखी है जिसका नाम है 'अगोस्ट द स्ट्रीम'। इस किताब में उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नैतिक विज्ञान बताया है। कुछ वर्ष पूर्व अखबारों में एक खबर छपी थी कि विश्व बैंक ने यह जानने के लिए एक अध्ययन प्रारम्भ किया है कि विकास में आध्यात्म की कितनी भूमिका है। इसी प्रकार दुनिया में यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि दक्षिण अफ्रीका में धर्म की क्या भूमिका हो सकती है। प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाग्यकार हो गया है, जिसका नाम यासक था। यासक ने 'निचुट' नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए हैं, और प्रत्येक शब्द का अलग अलग अर्थ है। दुनिया की किसी पुस्तक में अथवा किसी अर्थशास्त्र की किताब में धन के 28 समानार्थ शब्द नहीं मिलते हैं। भारत के शास्त्रों में धन के सम्बंध में उच्च विचार बताए गए हैं। भारत के शास्त्रों ने अर्थ के क्षेत्र को हेय दृष्टि से नहीं देखा है एवं यह भी कभी नहीं कहा है कि धन अर्जन नहीं करना चाहिए, पैसा नहीं कमाना चाहिए, उत्पादन नहीं बढ़ाना चाहिए। बल्कि दक्षिण एवं गरीबी को पाप बताया गया है। हां, वेदों में यह जरूर कहा गया है कि जो भी धन कमाओ वह शुद्ध होना चाहिए। 'ब्लैक मनी' नहीं होना चाहिए, भ्रष्टाचार करके धन नहीं कमाना चाहिए, स्मगलिंग करके धन नहीं कमाना चाहिए, कानून का उल्लंघन करते हुए धन अर्जन नहीं करना चाहिए, ग्राहक को धोखा देकर धन नहीं कमाना चाहिए। मनु स्मृति में तो मनु महाराज ने कहा है कि सब प्रकार की शुद्धियों में सर्वोत्कृष्ट महत्व की शुद्धि अर्थ की शुद्धि है। भारतीय शास्त्रों में खूब धन अर्जन करने के बाद इसके उपयोग के सम्बंध में व्याख्या की गई है।



नवीर यादव  
कार्यकारी संपादक

## समाधान शिविर में उपायुक्त ने सुनी नागरिकों की समस्या, त्वरित समाधान के लिए निर्देश

त्वरित समाधान के लिए समस्याओं के पैटर्न को समझें अधिकारी : उपायुक्त

समाधान शिविर की शिकायतों का होगा साप्ताहिक रिज्यू, अधिकारियों की जवाबदेही तय : प्रशांत पंवार

समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूह। जिला प्रशासन की ओर से वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त प्रशांत पंवार ने संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ नागरिकों की समस्याओं को सुना। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायत लेकर पहुंचे थे। उपायुक्त ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि समाधान



शिविर में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं जिसमें से 1 शिकायत का मौके पर ही समाधान कर दिया गया है। उपायुक्त प्रशांत पंवार ने शिविर उपरांत अभी तक प्राप्त शिकायतों का गहनता से रिज्यू किया और अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल समस्याओं को सुनना नहीं है, बल्कि उनके समाधान के माध्यम से नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ाते हुए सकारात्मक

छवि बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि शिविर के तहत प्राप्त शिकायतों की नियमित अंतराल में समीक्षा की जाएगी, ताकि जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने अधिकारियों को कहा कि समाधान शिविर के मामलों में लापरवाही या देरी कतई स्वीकार नहीं की जाएगी व प्रत्येक अधिकारी की जवाबदेही तय की गई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं को सुलझाने और जनहित के कार्यों को

## अपंजीकृत संस्थाओं के लिए अनाथ, यतीम व जरूरतमंद बच्चों को रखना गैर-कानूनी : अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह

समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूह। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के निर्देशों की अनुपालना दृढ़ता से की जा रही है। अपंजीकृत संस्थाओं के लिए अनाथ, यतीम व जरूरतमंद बच्चों को रखना गैर-कानूनी है तथा किशोर न्याय अधिनियम 2015 की उल्लंघना है। उन्होंने कहा कि अगर कोई अपंजीकृत सामाजिक संस्था अनाथ व यतीम बच्चों को रख रही है तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय



रखा जाएगा।  
उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित रखने में प्रशासन को अपना

भरपूर सहयोग दें। ऐसा करके हम नादान मासूम बच्चों के साथ हो रहे अन्याय और दुर्व्यवहार को रोक सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में यदि कोई ऐसा यतीमखाना अथवा संस्था जोकि किशोर न्याय अधिनियम 2015 के अंतर्गत बिना पंजीकरण के चल रही है तो किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 42 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी, बिना पंजीकरण के चल रही संस्था की सूचना प्रशासन को दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में 2 अपंजीकृत संस्थाएं कार्यरत हैं।

## पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर 2000 से अधिक विद्यार्थियों व शिक्षकों को किया जागरूक



समाचार गेट/सुमीत गोयल फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह आइपीएस के दिशानिर्देश पर फरीदाबाद पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग टीम के द्वारा \*पुलिस की पाठशाला\* के अंतर्गत आमजन व विद्यार्थियों को यातायात नियम, नशे के दुष्प्रभाव, साइबर फ्रॉड व ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा के बारे में लगातार जानकारी दी जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर ने सामुदायिक पुलिसिंग टीम के साथ \*पुलिस के पाठशाला\* कार्यक्रम के अंतर्गत महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, सेक्टर-8 और गर्वनमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल,

NIT-2 में लगभग 2000 से विद्यार्थियों को जागरूक किया। पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न बिन्दुओं पर छात्रों व शिक्षकों को जागरूक किया गया।  
1. यातायात नियमों की जानकारी : पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर ने दोपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व पर प्रकाश डाला। सड़क पर सुरक्षित चलने के लिए ईयरफोन का उपयोग न करने और सड़क पार करने के लिए फुटओवर ब्रिज या जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने की सलाह दी गई।  
2. ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा : छात्रों को हरियाणा पुलिस द्वारा शुरू की गई ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा के बारे में बताया गया, जिसके माध्यम से यात्रा के दौरान किसी भी असुरक्षित स्थिति में वे अपनी लोकेशन 112 कंट्रोल रूम में साझा कर सकती हैं। यह सेवा उन्हें आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करती है।  
3. साइबर फ्रॉड के संबंध में जागरूकता : छात्रों को संचार साथी पोर्टल के उपयोग के बारे में बताया गया, जिससे वे यह जान सकती हैं कि उनके नाम पर कितने सिम कार्ड जारी किए गए हैं। साइबर हेल्पलाइन 1930 और साइबर क्राइम पोर्टल

www.cybercrime.gov.in पर साइबर अपराध की शिकायत कैसे दर्ज करें, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई।  
4. नशा मुक्ति और हेल्पलाइन : छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की हेल्पलाइन 9050891508 की जानकारी दी गई। नशे से बचाव के लिए सभी को सतर्क रहने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।  
5. नैतिक जिम्मेदारियों का पालन : सभी को अपनी नैतिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया गया और बताया गया कि समाज की महिलाओं के जागरूक होने से पूरा समाज जागरूक हो जाता है। सभी ने संकल्प लिया कि वे समाज को अपराध मुक्त और नशा मुक्त बनाने में सहयोग करेंगे।  
संदेश : पुलिस उपायुक्त यातायात ने कार्यक्रम के अंत में सभी से अपील की कि वे पुलिस के साथ मिलकर फरीदाबाद को सुरक्षित, अपराध मुक्त और नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें।

## एफ आई ऐ मे 25 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र किया स्थापित- हरित ऊर्जा समय की मांग

समाचार गेट/सुमीत गोयल फरीदाबाद। हर साल नवंबर और दिसंबर का महीना एनसीआर क्षेत्र पर दबाव लेकर आता है, जहां सांस लेना मुश्किल हो जाता है और फेफड़ों की बीमारियां बढ़ जाती हैं। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और इसके सदस्य पर्यावरण पर अपने कार्यों के सकारात्मक प्रभाव छोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एसोसिएशन अपने स्वच्छ और हरित पैनेल के माध्यम से लगातार अपने उद्योगों के आसपास तथा औद्योगिक नगर के सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रतिवर्ष वृक्षारोपण करते रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना समय की मांग है और विभिन्न सरकारी एजेंसियां देश भर में इस



एजेंडे को आगे बढ़ा रही हैं। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने भी गो ग्रीन के राष्ट्रीय उद्देश्य में अपना योगदान दिया है। एफआईए ने बाटा चौक स्थित एफआईए हाउस की छत पर 25 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है, जिसका उद्घाटन आज इसकी कार्यकारी समिति द्वारा

किया गया। इस संयंत्र को टाटा पावर अक्षय ऊर्जा द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है और Green Ice Solutions Pvt Ltd द्वारा आपूर्ति किया गया है। संयंत्र को वित्तीय सहायता एफआईए के सम्मानित सदस्यों में से एक श्री हर्ष गुप्ता, संयुक्त प्रबंध निदेशक Precision Stampings

फरीदाबाद द्वारा दी गई है। एफआईए के निदेशक डॉ. नवदीप चावला के अनुसार, सौर ऊर्जा संयंत्र की क्षमता इस तरह से डिजाइन की गई है कि इससे न केवल कार्यालय परिसर का वर्तमान बिजली बिल शून्य होगा, बल्कि अपनी स्थापित क्षमता का 20% विद्युत ग्रिड को वापसी करेंगे।

## तापमान प्रभाव को लेकर चलाया जागरूकता अभियान



समाचार गेट/सोनिका सूरा सिवानी मंडी। स्थानीय सेठ मेहराज जिनल महाविद्यालय, सिवानी के मीडिया प्रभारी महीपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में इंको क्लब द्वारा बढ़ते हुए वैश्विक तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों से पौधारोपण कराया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़े-छोटे भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर सत्यपाल सिंह ने पेड़ पौधों की महत्ता पर प्रकाश डाला व विद्यार्थियों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर डॉ. राजकुमार, डॉक्टर मीनाक्षी, डॉक्टर सतपाल, डॉक्टर गीता रानी, डॉक्टर सुमन शर्मा, डॉक्टर सुजाता व डॉक्टर नीलम रानी उपस्थित रहे।

## भारतीय रेलवे ने संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच किया

समाचार गेट/सुनील दीक्षित कनीना। भारतीय रेलवे ने आज पूरे देश में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच करके यात्री संरक्षा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस एप्लीकेशन का उद्देश्य भारतीय रेलवे के फ्रंटलाइन संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के माध्यम से रेल संरक्षा में सुधार करना है। रेलवे बोर्ड के सदस्य परिचालन और व्यवसाय विकास रविंद्र गोयल ने आज सभी मंडल रेल प्रबंधक, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक और भारतीय रेल के सभी मंडलों के अधिकारियों की उपस्थिति में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच किया। रेलवे अधिकारी दुनिलाल कुमावत ने बताया कि इस एप्लीकेशन को 2013 बैच के आईआरटीएस अधिकारी दिलीप सिंह ने तैयार किया है, जो वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। नागपुर मंडल की डीआरएम नमिता त्रिपाठी ने नागपुर मंडल में पायलट प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के बारे में बात की और बताया कि यह किस तरह से मंडल में सुरक्षा बढ़ाने में उपयोगी साबित हुआ है। अब रेलवे ने सभी जोनल रेलवे में इस एप को लांच करने का निर्णय लिया है, जिसमें 16 मंडलों को शुरू में रोलआउट के लिए चुना गया है। यह एप्लीकेशन भारतीय रेलवे के विषय संबंधी ज्ञान को सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स और भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संभावित लाभ के साथ एकीकृत करता है, इससे रेलवे कर्मचारियों की प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक बुद्धिमान, प्रभावी और स्केलेबल प्रणाली प्रदान की जा सकेगी। इसमें स्मार्ट लर्निंग और फीडबैक मैकेनिज्म की सुविधा है जो बहु-स्तरीय, वास्तविक समय फीडबैक और निगरानी को संभव बनाता है।

## नूह जिले में जल्दी ही खोले जायेंगे कानूनी सहायता सेंटर

समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूह। सीजेएम नेहा गुप्ता ने बताया कि नूह जिले में अब गांव गांव जाकर पीएलवी के माध्यम से लोगों को कानूनी जानकारी दी जाएगी, ताकि हर गांव में लोगों को कानून की जानकारी हो सके। सीजेएम नेहा गुप्ता ने बताया कि अब नूह जिले के सभी ब्लॉकों को कानूनी सहायता केंद्र खोले जाएंगे इसके लिए सभी पीएलवी को कानून के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि डालसा द्वारा जिला में 35 पीएलवी की भर्ती की गई है जिनमें खैर मोहम्मद, सोनू वर्मा, शानाज, मनीषा, पायल, लियाकत, प्रियंका, सायना मिर्जा, भावना, प्रीति, सुसमा, विक्रम, नरेश, प्रीति, रजनी, सुमन, मीरा, कपिल, नीरज, निशा, मोहित, गगन नागपाल, आसिफ, साद, सलीम, सबिया, नेहा, सुहैल, राजपाल, पिंकी, विकास, गीता सोनी, सीमा वर्मा व सुभाष चन्द शामिल हैं।  
2 से मोबाइल वैन गांव-गांव जाकर लोगों को देगी कानूनी विषयों की जानकारी : जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा लोगों को कानूनी जागरूकता देने के लिए मोबाइल वैन द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस मोबाइल वैन में पैनेल अधिवक्ताओं की ड्यूटियां निर्धारित की गई है। ये पैनेल अधिवक्ता विभिन्न कानूनी विषयों पर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव नेहा गुप्ता ने बताया कि जिला में 2 दिसंबर से 27 दिसंबर तक लोगों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए मोबाइल वैन शुरू की गई है जो विभिन्न गांव में जाकर लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक करेंगी। इस दौरान पैनेल अधिवक्ताओं द्वारा लोगों को विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा दी जा रही कानूनी सहायता, लोक अदालत, विधवा योजनाएं, श्रम कानून, फैंक्ट्री एक्ट, चाइल्ड मैरिज, राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे जाने वाले मामले, सिविल राइट, एनमल एक्ट व वेलफेयर सहित विभिन्न कानूनी विषयों बारे जागरूक किया जाएगा।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा लोगों को कानूनी जागरूकता देने के लिए मोबाइल वैन द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस मोबाइल वैन में पैनेल अधिवक्ताओं की ड्यूटियां निर्धारित की गई है। ये पैनेल अधिवक्ता विभिन्न कानूनी विषयों पर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव नेहा गुप्ता ने बताया कि जिला में 2 दिसंबर से 27 दिसंबर तक लोगों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए मोबाइल वैन शुरू की गई है जो विभिन्न गांव में जाकर लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक करेंगी। इस दौरान पैनेल अधिवक्ताओं द्वारा लोगों को विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा दी जा रही कानूनी सहायता, लोक अदालत, विधवा योजनाएं, श्रम कानून, फैंक्ट्री एक्ट, चाइल्ड मैरिज, राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे जाने वाले मामले, सिविल राइट, एनमल एक्ट व वेलफेयर सहित विभिन्न कानूनी विषयों बारे जागरूक किया जाएगा।

## जीत का जश्न



महाराष्ट्र की जीत पर हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम को शुभकामनाएं देते हुए मुकेश यादव और अजय जी।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक'  
**समाचार गेट**  
को TITLE CODE : HARHIN11569

**आवश्यकता है**

हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ  
उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता  
ग्रामीण संवाददाता  
फोटोग्राफर  
विज्ञापन प्रतिनिधि

इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-  
samachargate@gmail.com  
Cont.: 9212339503



## संक्षिप्त समाचार

लंदन में ऐतिहासिक मछली, मांस बाजार बंद होंगे; समाप्त होगी 1000 साल पुरानी परंपरा



लंदन, एजेंसी। लंदन के दो सबसे प्रसिद्ध बाजार - एक मछली बाजार, दूसरा मांस बाजार - आने वाले वर्षों में बंद होने वाले हैं, जिससे मध्ययुगीन दौर से यहां चली आ रही कारोबारी परंपराएं समाप्त हो जाएगी। राजधानी शहर के ऐतिहासिक केन्द्र का शासी निकाय 'सिटी ऑफ लंदन कॉर्पोरेशन' बुधवार को संसद में एक विधेयक पेश करने जा रहा है जिसके तहत बिलिंगमोर्ट मछली बाजार और रिमथफील्ड मांस बाजार के संचालन की उसकी जिम्मेदारियों को समाप्त किया जाएगा। ये दोनों ही बाजार 11वीं शताब्दी से किसी न किसी रूप में अस्तित्व में हैं। एक दिन पहले ही निगम ने निर्णय लिया था कि वह बाजारों को लंदन के पूर्व में डेनहेम में नए विकास स्थल पर शिफ्ट नहीं करेगा। इसने हाल ही में महंगाई के दौर और निर्माण लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप बढ़ते खर्च के कारण नियोजित कदम को छोड़ दिया। वर्तमान में इसकी लागत लगभग एक अरब पाउंड (1.25 अरब डॉलर) है। इसके बजाय, बाजार के व्यापारियों के साथ एक नए समझौते के तहत, निगम वित्तीय मुआवजा और सलाह प्रदान करेगा। व्यापारियों के पास यह तय करने के लिए थोड़ा समय है कि उन्हें क्या करना है, क्योंकि परिचालन कम से कम 2028 तक जारी रहेगा।

## ट्रंप कैबिनेट के मनोनीत सदस्यों और नियुक्त लोगों को धमकियां, अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में कैबिनेट स्तर के कई मनोनीत और शीर्ष प्रशासनिक पदों पर नियुक्त लोगों तथा उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां मिली हैं। नवनियुक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने

कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन धमकियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। प्रवक्ता कैरोलिन विलिस ने कहा कि कल रात और आज सुबह मनोनीत तथा नियुक्त सदस्यों को धमकियां मिली हैं। कानून प्रवर्तन और अन्य अधिकारियों ने लक्षित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की 'लिमोजिन' से पुलिस की कार टकराई, किसी के हाताहत होने की खबर नहीं

वेलिंगटन, एजेंसी। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लॉसन और वित्त मंत्री निकोला विलिस को ले जा रही एक सरकारी 'लिमोजिन' कार के पिछले हिस्से से पुलिस की एक कार टकरा गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना बुधवार दोपहर को न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन में हवाई अड्डे की मुख्य सड़क पर हुई, जहां संसद स्थित है। हालांकि दुर्घटना मामूली थी और इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने टक्कर की जांच शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड का गृह मंत्रालय आधिकारिक वाहनों का प्रबंधन करता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि इस दुर्घटना में 'लिमोजिन' कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। लॉसन ने बुधवार को ऑकलैंड में संवाददाताओं से कहा कि दुर्घटना 'थोड़ा चौंका देने वाली' थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह "ठीक" हैं और उन्हें नहीं पता कि कार को सेवा से हटा लिया जाएगा या नहीं।

## अमेरिका में जब्त किए गए अब तक के सबसे ज्यादा नकली गिटार

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में सीमा शुल्क विभाग ने 3,000 से अधिक नकली गिब्सन इलेक्ट्रिक गिटार पकड़े हैं। यह रिकॉर्ड नकली म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की जर्दी है। इसकी जानकारी अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने दी। साल 1902 में कलामगू मिशिंगन में स्थापित प्रतिष्ठित अमेरिकी गिटार ब्रांड ने अपने सभी उपकरणों का उत्पादन विशेष रूप से अमेरिका में किया है। एक नए प्रामाणिक गिब्सन गिटार की कीमत आमतौर पर 500 यूएस डॉलर से 2,000 डॉलर के बीच होती है। जबकि, कुछ मॉडल 10,000 डॉलर में भी बिकते हैं। लॉस एंजिल्स बीच सीपोर्ट के सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार, यह नकली गिटार ई-कॉम्स बाजार के लिए थे, अगर असली होते तो उनकी अनुमानित कीमत 18 मिलियन डॉलर होती। ऐसे प्रोडक्ट अवसर निम्न-गुणवत्ता या खराब सामग्रियों का उपयोग करके बनाए जाते हैं। यह हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। साथ ही इसका घटिया कालिटी का सामना आग लगने के खतरे को भी पैदा कर देते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह जर्दी उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन या सदिग्ध स्रोतों से धोखाधड़ी वाले उत्पादों को खरीदने के जोखिमों के लिए जागरूक करने वाली थी। पोर्ट के निदेशक अप्रीका बेल ने कहा, वह लोग धोखाधड़ी हैं और यह सब अमेरिकी उपभोक्ता को धोखा देने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है। बेल ने आगे कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में, दक्षिणी कैलिफोर्निया बंदरगाह पर 2 बिलियन डॉलर से अधिक के नकली उत्पाद जब्त किए गए थे। पोर्ट द्वारा जारी आकड़ों के अनुसार, लॉस एंजिल्स का पोर्ट संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे व्यस्त क्रेटनर पोर्ट है।

## अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर भड़का हिंदू-अमेरिकी समूह, बांग्लादेश के खिलाफ प्रतिबंध की मांग की

वाशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल ही में हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। अब ढाका में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर अमेरिका में भी गुस्सा भड़क गया है। यहां कई हिंदू-अमेरिकी समूहों ने मांग की है कि दक्षिण एशियाई देश के लिए अमेरिकी सहायता इस शर्त पर निर्भर होनी चाहिए कि वहां की सरकार इन आबादियों की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करे।

पांच अगस्त को हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा था : बता दें कि बांग्लादेश में कई महीनों से तनाव का माहौल है। हालात ऐसे हो गए कि इस साल पांच अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद भी हिंदुओं भी इस हिंसा की चपेट में आने लगे। अक्टूबर के महीने में चटगांव में हजारों बांग्लादेशी हिंदुओं ने अपने अधिकार और सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया था। यहां 17 करोड़ की आबादी का केवल आठ प्रतिशत हिंदू हैं। पांच अगस्त से अबतक 50 जिलों में 200 से अधिक हमले हो चुके हैं।

हालात इस समाह और बिगड़े : इस हफ्ते हालात तब और बिगड़े गए जब हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से



इनकार कर दिया और जेल भेज दिया। इससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बता दें, दास इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के सदस्य थे और उन्हें हाल ही में निष्कासित कर दिया गया था।

क्या बोले वीएचपीए: विश्व हिंदू परिषद अमेरिका (वीएचपीए) के अध्यक्ष अजय शाह ने कहा कि दास को गिरफ्तारी, चटगांव के काली मंदिर में तोड़फोड़ और पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों को खबरें पेश करने वाली हैं। उन्होंने पूछा, क्या यह मानवाधिकार की विरासत है,

की सुरक्षा और स्वतंत्रता को खतरा पैदा करती है। नवनियुक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे एक खुले पत्र में हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट (एचएफएफएफ) ने बांग्लादेश में बीजिंग की महत्वाकांक्षाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अमेरिकी वित्तपोषण रोकने और अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने वाली पहलों को प्राथमिकता देने की सिफारिश की है।

नागरिकों की सुरक्षा करने में नाकाम सरकार का नहीं करना चाहिए समर्थक-संयुक्त एचएफएफएफ के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदजा ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों ने व्यवस्थित हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। हम विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आपका प्रशासन बांग्लादेशी सरकार पर अमेरिकी सहायता को निर्भर करता है जो इन आबादी की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रही है। करदाताओं को कभी भी उन सरकारों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा करने में नाकाम रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ बांग्लादेशी अधिकारियों के जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे चरमपंथी समूहों से संबंध हैं और ये संबंध अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं। संदजा ने अपने पत्र में कहा, हम सम्मानपूर्वक वीजा प्रतिबंधों और सख्त नियंत्रणों की सिफारिश करते हैं ताकि इन विचारधाराओं को अमेरिकी धरती पर पैर जमाने से रोका जा सके।

का सुरक्षा और स्वतंत्रता को खतरा पैदा करती है। नवनियुक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे एक खुले पत्र में हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट (एचएफएफएफ) ने बांग्लादेश में बीजिंग की महत्वाकांक्षाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अमेरिकी वित्तपोषण रोकने और अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने वाली पहलों को प्राथमिकता देने की सिफारिश की है।

नागरिकों की सुरक्षा करने में नाकाम सरकार का नहीं करना चाहिए समर्थक-संयुक्त एचएफएफएफ के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदजा ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों ने व्यवस्थित हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। हम विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आपका प्रशासन बांग्लादेशी सरकार पर अमेरिकी सहायता को निर्भर करता है जो इन आबादी की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रही है। करदाताओं को कभी भी उन सरकारों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा करने में नाकाम रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ बांग्लादेशी अधिकारियों के जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे चरमपंथी समूहों से संबंध हैं और ये संबंध अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं। संदजा ने अपने पत्र में कहा, हम सम्मानपूर्वक वीजा प्रतिबंधों और सख्त नियंत्रणों की सिफारिश करते हैं ताकि इन विचारधाराओं को अमेरिकी धरती पर पैर जमाने से रोका जा सके।

## कश्मीर छोड़े, काम की बात करो; बेलारूस के राष्ट्रपति ने कर दी शहबाज शरीफ की फजीहत



इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ उस समय चर्चा का विषय बन गई जब कश्मीर मुद्दे पर शरीफ को साफ जवाब मिला। तीन दिवसीय दौर पर पाकिस्तान आए लुकाशेंको ने स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी राजनैतिक मुद्दे पर चर्चा करने नहीं आए हैं। जब शहबाज शरीफ ने कश्मीर का मुद्दा उठाया तो लुकाशेंको ने कहा, मैं यहां केवल व्यवसाय और द्विपक्षीय सहयोग पर बात करने आया हूँ। इस परिस्थिति ने न सिर्फ शरीफ को स्थिति असहज कर दी बल्कि बेलारूस के राष्ट्रपति के स्पष्ट रुख ने पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर भी सवाल खड़े कर दिए। बेलारूस के राष्ट्रपति का यह बयान पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गया, खासकर तब जब शरीफ ने प्रोटोकॉल तोड़कर उनका स्वागत करने के लिए खुद एयरपोर्ट पर पहुंचकर अपनी गर्मजोशी दिखाई थी। पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने इसे लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर मंच पर मुद्दा उठाना पाकिस्तान की राजनीति और कूटनीति का हिस्सा बन गया है, लेकिन लुकाशेंको का जवाब यह दर्शाता है कि सभी देश इस मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन नहीं कर सकते। इससे पहले, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने भी विवादित बयान देकर पाकिस्तान को और मुश्किल में डाल दिया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या कश्मीर के लोग इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि कश्मीर विदेशी भूमि है। इस बयान ने पाकिस्तानी सियासत में हलचल मचा दी और विपक्षी दलों ने इसे राष्ट्रीय नीति के खिलाफ बताया। लुकाशेंको का यह दौरा पाक-बेलारूस संबंधों को मजबूती देने के लिए अहम माना जा रहा था, लेकिन कश्मीर पर उनकी स्पष्ट नीति ने शरीफ सरकार की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर कर दिया।

## जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामले बढ़े

टोक्यो, एजेंसी। जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश भर के चिकित्सा संस्थानों में औसतन 2.84 मरीज मिले हैं। यह आंकड़ा पिछले सप्ताहों की तुलना में मामलों में वृद्धि दिखाता है। वर्तमान ट्रैकिंग प्रणाली शुरू होने के बाद से यह अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। माइकोप्लाज्मा निमोनिया एक बैक्टीरियल इंफेक्शन (जीवाणु संक्रमण) है। यह इंफेक्शन ज्यादातर बच्चों में देखने को मिलता है। यह सांस के साथ निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों से या करीबी संपर्क में आने से फैलता है। इसके लक्षणों में मरीजों को लगातार खांसी, बुखार, थकान और सिरदर्द जैसी परेशानी दिखाई देती है। इसके कई मामले बिना गंभीर जटिलताओं के ठीक हो जाते हैं। वहीं, कुछ मामले गंभीर निमोनिया में बदल सकते हैं जिसके लिए मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ सकती है।

फुकुई प्रान्त ने प्रति चिकित्सा संस्थान ने 8.83 मामलों के साथ उच्चतम क्षेत्रीय औसत की सूचना दी। उसके बाद आओमोरी (5.0), क्योटो (4.71) और होक्काइडो (4.59) का स्थान रहा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टोक्यो और ओसाका जैसे प्रमुख शहरों में भी क्रमशः 4.32 और 3.17 की उच्च दर दर्ज की गई।

## हांगकांग में समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवास का मिला अधिकार, शीर्ष अदालत ने दिया ऐतिहासिक फैसला

विक्टोरिया, एजेंसी। हांगकांग के शीर्ष अदालत ने बुधवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवासों के अधिकार को बरकरार रखते हुए फैसला सुनाया। हांगकांग शीर्ष अदालत का ये फैसला समलैंगिक अधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर है। भलेही हांगकांग समलैंगिक विवाह को कानूनी तौर पर मान्यता नहीं देता लेकिन अदालत के इस फैसले ने विदेशों में शादी करने वाले दो जोड़ों के पुराने मामले का खत्म किया।

न्यायाधीशों ने सरकार की नीति को बताया भेदभावपूर्ण: इस मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एंड्रयू चेउंग ने कहा कि हांगकांग की आवास नीतियों में समलैंगिक विवाहित जोड़ों को बाहर रखना उचित नहीं है और कल्याण लाभों को बिना भेदभाव के वितरित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्ट रिबेरो ने भी सरकार की नीति को भेदभावपूर्ण बताया है।

यहां ये हुई शुरू हुई हक की लड़ाई: अब कुछ समय पॉछ चलें तो एक मामला था



निक इन्फिंगर का, जिन्होंने कनाडा में शादी की थी और हांगकांग में सरकारी आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। जानकारी के अनुसार उन्होंने 2018 में हांगकांग की हाउसिंग अथॉरिटी को खिलाफ मुकदमा दायर किया और जीत हासिल की, लेकिन सरकार ने उस फैसले के खिलाफ अपील की। इसी तरह एक और मामला था एडगर एनजी का, जिन्होंने हांगकांग सरकार की नीति को जानते हुए कि उनके शादीशुदा पति को सरकारी आवास का हक नहीं है उन्होंने चुनौती दी। हलाकि 2020 में एनजी की मृत्यु हो गई और निचली अदालत

ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। निक इन्फिंगर ने जताई खुशी: न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्ट रिबेरो ने कहा कि सरकार उत्तराधिकार कानूनों में भेदभाव को सही ठहराने में नाकाम रही है और इसे गैरकानूनी और असंवैधानिक करार दिया। निक इन्फिंगर ने हांगकांग की शीर्ष अदालत के फैसले पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज का निर्णय समलैंगिक जोड़ों के एक-दूसरे से प्यार करने और साथ रहने के अधिकार को मंजूरी देता है, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

## इजराइल ने नेतन्याहू, गैलेंट के खिलाफ आईसीजे के वारंट की वैधता से इनकार किया

यरूशलम, एजेंसी। इजराइल ने पीएम नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार किया। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक पोस्ट में कहा, इजराइल हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के प्राधिकार तथा प्रधानमंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री के विरुद्ध जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार करता है। आगे कहा गया, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जेरूसलम में प्रधानमंत्री कार्यालय में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम से मुलाकात की। सीनेटर ने उन्हें आईसीसी और इसके साथ सहयोग करने वाले देशों के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। हाल ही में हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसमें उन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया गया है। इन आरोपों में नागरिकों को निशाना बनाने और गाजा में भूखमरी की नीतियों को लागू करने के आरोप शामिल हैं। इजराइली प्रधानमंत्री द्वारा एक्स पर कई पोस्ट किए गए जिसमें यह भी उल्लेख किया गया कि कांग्रेस में प्रयासों के समानांतर इजरायल ने आईसीसी से गिरफ्तारी वारंट के कार्यान्वयन में देरी की मांग की। साथ ही न्यायालय में अपील करने का इरादा भी बताया। इजराइली प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट में यह भी कहा गया, इजरायल की अपील की सूचना से विस्तार से

में जानकारी दी। हाल ही में हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसमें उन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया गया है। इन आरोपों में नागरिकों को निशाना बनाने और गाजा में भूखमरी की नीतियों को लागू करने के आरोप शामिल हैं। इजराइली प्रधानमंत्री द्वारा एक्स पर कई पोस्ट किए गए जिसमें यह भी उल्लेख किया गया कि कांग्रेस में प्रयासों के समानांतर इजरायल ने आईसीसी से गिरफ्तारी वारंट के कार्यान्वयन में देरी की मांग की। साथ ही न्यायालय में अपील करने का इरादा भी बताया। इजराइली प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट में यह भी कहा गया, इजरायल की अपील की सूचना से विस्तार से



पता चलता है कि गिरफ्तारी वारंट जारी करने की नियम किस हद तक निराधार था और इसका कोई इजरायल के प्रति कितना पक्षपाती है। इससे पहले कहा है कि यदि आईसीसी अपील को खारिज कर

दे, तो इससे अमेरिका और दुनिया भर में इजराइल के मित्रों को यह पता चल जाएगा कि आईसीसी इजरायल के प्रति कितना पक्षपाती है। इससे पहले कहा है कि यदि आईसीसी अपील को खारिज कर

एक प्रेस ब्रीफिंग में आईसीसी के निर्णय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हम विरुद्ध इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से अस्वीकार करते हैं। उन्होंने वारंट प्राप्त करने में अभियोजक की जल्दबाजी को आलोचना की तथा प्रक्रियागत त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाया, जिसके कारण यह परिणाम सामने आया। जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की थी, हम मूलतः इस बात को अस्वीकार करते हैं कि आईसीसी को इस स्थिति पर अधिकार है और इसलिए यह ऐसी बात है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं तथा आगे भी रहेंगे। यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईसीसी द्वारा इजरायल के नेताओं पर लगाए गए आरोपों के बीच अमेरिका इजरायल के प्रति अपना समर्थन जारी रखे हुए है।







## एडीलेड में पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी टीम इंडिया

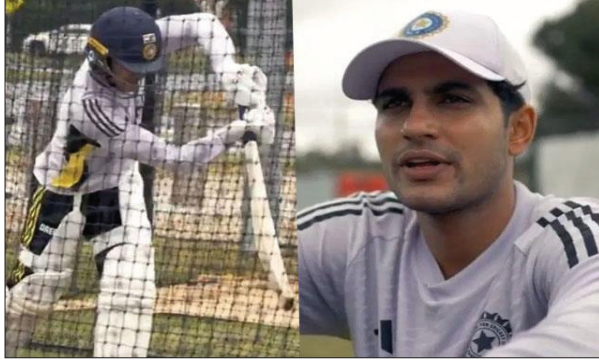
मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम 6 दिसंबर से एडीलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। गुलाबी गेंद से खेले जाने वाला यह मैच दिन-रात वाला होगा। भारतीय टीम ने अब तक गुलाबी गेंद से चार टेस्ट खेले हैं जिसमें से उसे 3 में जीत मिली है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को जिस एक दिन-रात वाले टेस्ट में हार मिली है वो ऑस्ट्रेलिया में ही एडिलेड में खेला गया था। वहीं इस बार भी दूसरा टेस्ट इसी स्थल पर खेला जाएगा। ऐसे में इस बार भारतीय टीम इस बार उस हार का बदला लेना चाहेगी। भारतीय

टीम ने अपना पहला दिन-रात टेस्ट मैच साल 2019 में खेला था। कोलकाता के इंडन गार्डस स्टेडियम में खेले गए इस दिन-रात के टेस्ट में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को एक पारी और 46 रन से हराया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जबकि तेज गेंदबाज ईशान शर्मा ने कुल 9 विकेट लिए थे। भारतीय टीम ने अपना दूसरा दिन-रात का टेस्ट साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। एडिलेड में 17 दिसंबर से खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत को 8 विकेट से हार का

सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2021 में टीम इंडिया ने अपना तीसरा दिन-रात का टेस्ट खेला। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच में अक्षर पटेल ने 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं भारतीय टीम ने अपना चौथा टेनाइट टेस्ट मैच श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में खेला था। बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस टेस्ट में भारत ने 238 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी।



## शुभमन गिल अंगूठे की चोट से उबरकर नेट्स पर लौटे, कहा-रिकवरी अपेक्षा से बेहतर रही



कैनबरा (एजेंसी)। अंगूठे की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रथम टेस्ट से बाहर रहे शुभमन गिल ने फिटे होने के बाद शुरूकार को भारतीय टीम के साथ नेट्स पर अभ्यास किया। पहले टेस्ट में गिल की कमी महसूस नहीं हुई क्योंकि भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की। पिछले दौर पर उनके शानदार फॉर्म को देखते हुए हालांकि टीम को उसकी जरूरत है।

शौर्यक्रम के बल्लेबाजों ने नेट्स पर यश दयाल और आकाश दीप की गेंदों का सामना किया। भारत को कल से ऑस्ट्रेलियाई प्रथमदिवस एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेला है। गिल ने अभ्यास सत्र के बाद बीसीसीआई द्वारा एकस पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मैं देख रहा था कि चोट से कितना उबर गया हूँ। किसी तरह की सूजन तो नहीं है लेकिन मैं और कमलेश भाई (कमलेश जैन, फिजियो) की अपेक्षा से बेहतर

रिकवरी है। मैं बहुत खुश हूँ। पहले टेस्ट से बाहर रहने से निराश गिल ने कहा, 'हर गेंद को बल्ले से पीटने का अनुभव शानदार होता है और मैं उसी के लिए खेलता हूँ। जब मुझे चोट के बारे में पता चला तो पहले कुछ दिन काफी निराशाजनक रहे।' उन्होंने कहा, 'प्रथम में हमने पिछली बार 2020-21 के दौर पर नहीं खेला था। यह शानदार मैदान है और टीम के प्रदर्शन से मैं काफी खुश था।'

गिल की गैर मौजूदगी में तीसरे नंबर पर उतरे देवदत्त पंडितल प्रभाव नहीं छोड़ सके। गिल हालांकि शौर्य क्रम की बजाय मध्यक्रम में उतर सकते हैं क्योंकि रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। रोहित अब यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करेंगे जिससे राहुल तीसरे और गिल पांचवें नंबर पर उतर सकते हैं।

## रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है, स्मिथ ने भारतीय गेंदबाज को बताया फुल पैकेज

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का विचित्र गेंदबाजी एक्शन और असाधारण कोशल उन्हें संपूर्ण पैकेज बनाता है। नियमित कसान रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में कसान करते हुए बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में आठ विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए।

स्मिथ ने कहा, 'उसके रनअप की शुरुआत से ही उसका गेंदबाजी एक्शन अजीब है। वह अलग ही तरह से दौड़ता है और उसके एक्शन का आखिरी मूवमेंट भी विचित्र है। मैंने उसका सामना काफी बार किया है और हर बार



उसके खिलाफ क्रीज पर जमने में समय लगता है।'

पहले टेस्ट की पहली पारी में

छेड़ते हैं तो दूसरे गेंदबाजों की तुलना में बल्लेबाज से कम से कम एक फूट करीब होते हैं जिससे गेंद की लैथ को पकड़ना मुश्किल हो जाता है। स्मिथ ने कहा, 'वह आपके करीब आकर गेंद छोड़ता है जिससे आपको समय ही नहीं मिल पाता। इसके अलावा वह गेंद को दोनो ओर से रिवंग करा सकता है। रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है। वह एक गेंदबाज के तौर पर पूरा पैकेज है।' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज डेविन मार्टिन ने कहा, 'वह डर्मिनेटर है। उसे अपनी ताकत पता है और वह बल्लेबाज की कमजोरियाँ ढूँढ लेता है। उसका रनअप लंबा नहीं है लेकिन वह काफी चतुराई से गेंदबाजी करता है।'

## सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : दिल्ली के सभी खिलाड़ियों ने गेंदबाजी कर बनाया विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और मणिपुर के बीच खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के ग्रुप सी में मैच में एक अनोखा विश्व रिकार्ड बनाया। इस मैच में दिल्ली की ओर से से सभी 11 खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की। यहां तक कि विकेटकीपर आयुष बदनो ने भी गेंदबाजी की। आयुष टीम के कप्तान भी हैं। इस मैच में 11 के 11 खिलाड़ियों में किसी ने अपनी सभी ओवर नहीं किये। हर्ष त्यागी, दिवेश राठी और मयंक रावत ने तीन-तीन ओवर किए, जबकि आयुष सिंह, अखिल चौधरी और आयुष बदनो ने दो-दो ओवर किए। वहीं अर्धन राणा, मणिपुर की ओर से निचले क्रम के

हिमंत सिंह, प्रियांशु आर्या, यश धुल और अनुज रावत ने एक-एक ओवर फेंका।

मणिपुर ने इस मैच में 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन बनाए। 41 रनों के अंदर ही मणिपुर ने अपने छह विकेट खो दिए थे। इसके बाद कप्तान रेक्स राजकुमार, और विकेटकीपर अहमद शाह ने मिलकर मणिपुर को संभालने का प्रयास किया। अहमद ने सबसे अधिक 32 रन बनाये। वहीं उलेनरॉ ने 19 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज सरसे में निपट गये।

मणिपुर की ओर से निचले क्रम के

Player	Wickets	Runs
Ayush Singh	2	0
Aksh Choudhary	2	0
Harsh Tyagi	3	0
Digvesh Rathi	3	1
Mayank Bhatnagar	3	0
Ayush Badoni (c & wk)	2	1
Aryan Rana	1	0
Himant Singh	1	0
Prityansh Arya	1	0
Yash Dhull	1	0
Anuj Rawat	1	0

बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 100 रन के ऊपर पहुंचाया। ये टी20 में पहली बार है जब किसी टीम की ओर से 11 के 11

खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की हो और अब यह विश्व रिकार्ड दिल्ली के नाम दर्ज हो गया है।

## विराट का दिन रात के मैचों में 46.16 रहा हे बल्लेबाजी औसत



एडीलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से एडीलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जाएगा। गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला ये मैच दिन-रात का होगा। इस मैच से पहले ही विराट के शानदार शतक से साफ है कि वह फार्म में आ गये हैं। विराट कोहली ने एडिलेड में गुलाबी गेंद से पहले भी एक टेस्ट मैच खेले थे जिसमें उन्होंने पहली पारी में 74 रन बनाए हैं जबकि दूसरी पारी में 4 रन बनाए। दिन-रात के चार टेस्ट मैचों में कोहली के नाम कुल 277 रन हैं जिसमें उनकी बल्लेबाजी औसत 46.16 रहा है। विराट ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2019 में खेले गए दिन-रात के टेस्ट मैच में 136 रन की पारी खेली थी। यह गुलाबी गेंद से हुआ टेस्ट मैच कोलकाता के इंडन गार्डन में खेला गया था। भारत ने इस टेस्ट को पारी के अंतर से जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच में कोहली ने 27 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उनकी बल्लेबाजी नहीं आयी। वहीं बैंगलोर में श्रीलंका के खिलाफ खेले दिन-रात के टेस्ट मैच में विराट ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 रन बनाये थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 13 रन बनाए। विराट पहले वाली लय को एडिलेड में भी बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया जबकि अंतरराष्ट्रीय करियर का ये 81 वां शतक था। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल 26 टेस्ट मैच खेल हैं जहां उन्होंने 2147 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें 9 टेस्ट शतक भी लगाये हैं।

## चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत सरकार का बड़ा बयान, पाकिस्तान को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आईसीसी की आज अहम बैठक कर रही है। जिसमें अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुख्य चर्चा करने वाली है तो दूसरी ओर भारत सरकार की ओर से पहली बार पूरे मामले पर बयान आया है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ ट्रॉफी को हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है। आईसीसी बोर्ड की बैठक वचुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है।

आईसीसी के फैसले से ठीक पहले भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक लाइन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ-साफ लहजे में कहा कि, बीसीसीआई ने बयान जारी किया है। बोर्ड के अनुसार, पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधित दिक्कतें हैं, इसलिए टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। हम इसी पर कायम हैं। इस बीच आईसीसी के सदस्य पीसीबी को ये समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे अहम बात ये है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा। वहीं इस मामले की जानकारी रखने वाले

एक सूत्र ने कहा कि, इस समय हाइब्रिड मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें अभी यह है कि ट्रॉफी में शामिल सभी पक्ष ट्रॉफी के हित में समझदारी भरा फैसला लेंगे। भारत और पाकिस्तान के बिना ट्रॉफी का आयोजन करना अच्छा नहीं है। ट्रॉफी के मुख्य प्रसारक जियो स्टार ने पहले ही आईसीसी के टॉप अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में आखिरी निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है। आईसीसी और प्रसारकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह ट्रॉफी का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन ये समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है।





## पहले भावनाओं को व्यक्त करने में मुश्किल होती थी: अनन्या पांडे

हाल ही में ट्रोनिंग और सोशल मीडिया नफरत पर अभिनेत्री अनन्या पांडे ने खुलकर बात की है। अनन्या ने एक शो में इस मुद्दे पर अपने अनुभव साझा किए। अनन्या ने कहा कि ट्रोनिंग और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को समझते हुए, उन्होंने थरेपी सेशन लिया था।

उन्होंने बताया, मैंने पहले थरेपी ली है, अब उतनी नियमित नहीं रहती। मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में मुश्किल होती थी, और मैं बहुत उदास रहती थी। सोशल मीडिया के साथ कभी-कभी ऐसा लगता था कि आप कुछ पढ़ते हैं और आपको यह एहसास नहीं होता कि यह आपको प्रभावित कर रहा है, क्योंकि आप सोचते हैं कि मैं ठीक हूँ, लेकिन बाद में यह आपके अवचेतन में गहरे बैठ सकता है। इसके बाद, अनन्या ने बताया कि थरेपी के माध्यम से वह अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से व्यक्त करने और मानसिक संतुलन बनाने में सक्षम हो पाई हैं।

ट्रोनिंग और फर्जी खबरों से निपटने के बारे में अनन्या ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो मेरे बारे में बहुत कुछ कहा गया है, इसलिए मुझे एक खास पल याद नहीं आता। लेकिन कभी-कभी जब मैं किसी कहानी को नियंत्रित नहीं कर पाती, तो मुझे

गुस्सा आता है। जब मैंने शुरुआत की थी, किसी ने एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और यह दावा किया कि वे मेरे साथ स्कूल में थे, और मुझे लेकर झूठे आरोप लगाए थे। पहले मुझे लगा कि लोग इस पर विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन कुछ समय बाद यह सच में वायरल हो गया। अनन्या ने यह भी बताया कि स्कूल के दिनों में उन्हें कई बार शारीरिक आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जैसे कुबड़ा, सपाट छाती, चिकन लेग, लेकिन अब सोशल मीडिया के कारण ऐसे आलोचनात्मक टिप्पणियाँ और आक्रामक कहीं अधिक प्रभावी हो जाते हैं। काम की बात करें तो अनन्या पांडे आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिनमें द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर, चांद मेरा दिल, दरबंद और रन फॉर यंग शामिल हैं। अनन्या पांडे का यह साक्षात्कार इस बात को उजागर करता है कि सोशल मीडिया की दुनिया में भले ही ग्लैमर और प्रसिद्धि हो, लेकिन इसके साथ आने वाली मानसिक चुनौतियाँ और ट्रोनिंग का सामना भी करना पड़ता है। बता दें कि अभिनेत्री अनन्या पांडे को सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोल किया गया है, और उनके बयान भी कई बार आलोचना का शिकार बने हैं।



## पुष्पा -2 पहुंचेगी 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में

सुपरस्टार अल्लु अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2 की रिलीज से पहले ही एक और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आ रही है, जो पुष्पा 2 को चुनौती दे सकती है। वह फिल्म है सिद्धार्थ की मिस यू, जो 29 नवंबर को रिलीज हो रही है, जबकि पुष्पा - 2 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में पहुंचेगी। हाल ही में मिस यू के एक प्रेस मीट में जब सिद्धार्थ से पूछा गया कि क्या वह पुष्पा 2 के साथ क्लैश को लेकर चिंतित हैं, तो उन्होंने बिना घबराए जवाब दिया, हमें इस बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, बल्कि पुष्पा 3 के मेकर्स को इस बारे में सोचना चाहिए। सिद्धार्थ ने कहा कि सबसे अहम बात यह है कि उनकी फिल्म अच्छी हो और दर्शकों को पसंद आए। सिद्धार्थ ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, जहां तक पुष्पा 2 का सवाल है, हमें इसकी चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। अगर फिल्म अच्छी है, तो वह दर्शकों के दिलों में जगह बना लेगी, खासकर आजकल के सोशल मीडिया युग में जब सभी को यह पता होता है कि कौन सी फिल्म अच्छी है। उन्होंने मिस यू पर पूरी तरह से विश्वास जताया और उम्मीद जताई कि पुष्पा 2 का उनकी फिल्म पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मिस यू एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ और आशिका रंगनाथ मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी एक प्रेम कथा पर आधारित है और इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

## 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी अनुराग की डेब्यू फिल्म पांच

बॉलीवुड के फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप की पहली फिल्म पांच आखिरकार 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। निर्माता दूटू शर्मा ने बताया कि फिल्म पर लगे प्रतिबंध और इसके नेगेटिव के खराब होने के कारण इसे अब तक रिलीज नहीं किया जा सका। निर्माता शर्मा ने कहा, हम अगले छह महीनों में पांच को सिनेमाघरों में लाने की योजना बना रहे हैं। नेगेटिव की मरम्मत का काम चल रहा है, और जैसे ही यह प्रक्रिया पूरी होगी, फिल्म रिलीज कर दी जाएगी। पांच को केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के साथ लंबे विवाद का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अब इन मुद्दों का समाधान हो चुका है। शर्मा ने भरोसा जताया कि मौजूदा दौर में पुरानी फिल्मों की दोबारा रिलीज का चलन और दर्शकों की रुचि पांच को सफलता दिलाएगी। उन्होंने कहा, पांच अनुराग कश्यप की अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म है। के के मेनन और तेजस्विनी कोल्हापुरी सहित पूरी कास्ट ने असाधारण प्रदर्शन किया है। एक बार इसे देखने के बाद दर्शक भी इस बात से सहमत होंगे। फिल्म में के के मेनन, आदित्य श्रीवास्तव, विजय मोर्य, जॉय फर्नांडिस और तेजस्विनी कोल्हापुरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसका कथानक 1976-77 में पुणे में हुई जोशी-अभयंकर हत्याओं पर आधारित है। फिल्म नशीली दवाओं के दुरुपयोग, हिंसा और अभद्र भाषा के चित्रण के कारण विवादों में रही और सीबीएफसी से मंजूरी मिलने में समय लगा। हालांकि, उत्पादन से जुड़ी बाधाओं के कारण इसकी रिलीज बार-बार टलती रही।

## नयनतारा: बियाँन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में नयनतारा



मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा हाल ही में रिलीज हुई डेब्यूमेंट्री नयनतारा- बियाँन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में हैं। एक समय ऐसा भी था जब नयनतारा को अपने वजन के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। यह घटना साल 2005 की है जब नयनतारा फिल्म गजनी में नजर आई थीं। फिल्म के रिलीज के बाद, नयनतारा को उनके वजन को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। ट्रोलर्स ने उन्हें कहा कि वह फिल्म के लिए फिट नहीं थीं, और उनके वजन का मजाक उड़ाया। इस ट्रोनिंग ने नयनतारा को काफी दुखी किया था। नयनतारा ने इस बारे में कहा था कि उन्होंने वही किया था जो डायरेक्टर ने उनसे करने को कहा था, लेकिन इन टिप्पणियों को पढ़कर उन्हें बहुत बुरा लगाता था। इसके बाद, 2007 में जब नयनतारा ने फिल्म बिष्मल में बिकनी पहनकर एक सीन किया, तो उसे भी ट्रोल किया गया। नयनतारा ने इस बारे में कहा कि उन्होंने वह सीन सिर्फ डायरेक्टर के कहने पर किया था, न कि किसी को कुछ साबित करने के लिए। हालांकि, इन मुश्किलों के बावजूद नयनतारा ने हार नहीं मानी और आज वह साठ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर और टॉप एक्ट्रेस में से एक बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं। इसके अलावा, नयनतारा और धनुष के बीच के विवाद ने भी मीडिया में खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

## मनीषा कोइराला ने की आईएफएफआई में शिरकत

बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने गोवा में चल रहे 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में शिरकत की। मनीषा ने इस दौरान कहा कि अभिनेत्री रह चुकी हैं शब्द उनके लिए काफी दर्दनाक और आहत करने वाला है। मनीषा ने फिल्म निर्माता विक्रममोदिय मोटवानी के साथ बिग स्क्रीन से स्ट्रीमिंग तक सत्र के दौरान कहा, यह शब्द अक्सर महिला कलाकारों के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन ओटीटी ने इस सोच को बदल दिया है। इस दौरान उन्होंने सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म के भविष्य और वरिष्ठ कलाकारों पर इसके प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने नीना गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अभिनेत्रियों का उदाहरण देते हुए कहा कि आज ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उम्र और लिंग के बंधनों को तोड़ते हुए नई संभावनाएं दी हैं। मनीषा ने हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी- द डायमंड बाजार' से ओटीटी पर डेब्यू किया। इसमें उन्होंने एक वेश्यालय की मालकिन मल्लिकाना की भूमिका निभाई, जो दर्शकों के बीच खूब सराही गई। इस सीरीज में उनके साथ सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हेदरी, और ऋचा चड्ढा जैसे कलाकार नजर आए। मनीषा ने इससे पहले भंसाली के साथ फिल्म 'खामोशी- द म्यूजिकल' में काम किया था, जो उनकी शुरुआती चर्चित फिल्मों में से एक थी। अब वह 'हीरामंडी' के दूसरे सीजन में भी नजर आएंगी, जो नेटप्लिकस पर रिलीज होगा। 'हीरामंडी' से पहले मनीषा कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म 'शहजादा' में उनकी मां के किरदार में दिखायी थीं।



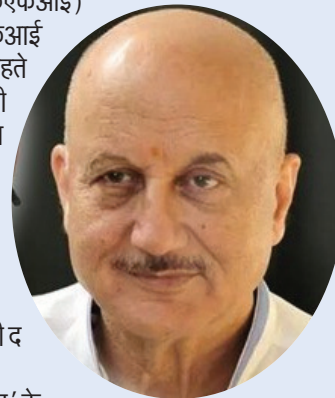
## इंडस्ट्री ने मुझे हमेशा गर्मजोशी से स्वीकारा कृति सेनन



भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में शिरकत करते हुए बॉलीवुड अदाकारा कृति सेनन ने नेपोटिज्म और फिल्म इंडस्ट्री में बाहरी लोगों के संघर्ष पर अपनी राय साझा की। कृति ने कहा, इंडस्ट्री ने मुझे हमेशा गर्मजोशी से स्वीकारा है। लेकिन जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं होते, तो आपको लिए वहां पहुंचना थोड़ा मुश्किल होता है। आपको अपनी काबिलियत साबित करने और अपनी जगह बनाने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि फिल्मी पृष्ठभूमि न होने के कारण किसी व्यक्ति के लिए अपने सपनों के अवसर पाने में अधिक समय लगता है। पत्रिकाओं के कवर पर दिखने से लेकर बड़ी फिल्मों पाने तक, सब कुछ मेहनत से ही संभव होता है। हालांकि, अगर आप अपनी कड़ी मेहनत और लगन से काम करते रहें, तो आपको कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने नेपोटिज्म पर इंडस्ट्री के साथ-साथ मीडिया और दर्शकों की भूमिका को भी रेखांकित किया। कृति ने बताया कि स्टार किड्स को बढ़ावा देने में दर्शकों और मीडिया की रुचि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री अकेले नेपोटिज्म के लिए जिम्मेदार नहीं है। मीडिया और दर्शकों का योगदान भी इसमें है। दर्शकों की रुचि के कारण मीडिया स्टार किड्स पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे इंडस्ट्री को लगता है कि दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए फिल्में बनानी चाहिए। यह एक चक्र है। हालांकि, प्रतिभा हमेशा अपनी जगह बनाती है। अगर आप दर्शकों के साथ जुड़ नहीं पाते, तो चाहे किसी भी पृष्ठभूमि से हों, टिक पाना मुश्किल है। काम की बात करें तो कृति को हाल ही में दो पती में काजोल और शहीर शेख के साथ डबल रोल निभाते हुए देखा गया।

## मास्टर क्लास के दौरान दर्शकों का दिल जीत लिया अनुपम खेर ने

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मास्टर क्लास के दौरान 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में दर्शकों का दिल जीत लिया। इस दौरान अनुपम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, कल आईएफएफआई में मेरी मास्टर क्लास के बाद दर्शकों में से किसी महाशय ने एविटिंग के जंगल में शेर रहते हैं, सुना है उसे अनुपम खेर कहते हैं फरमाया! जय हो! मजा आया और अच्छा लगा! कुछ भी हो सकता है! इसके साथ उन्होंने मध्व्यवाद, सअसफलता की शक्ति हैशटैग भी लिखा। अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और हाल ही में उन्होंने सिंगर सोनु निगम और एमएम कीरावनी के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस पोस्ट में अनुपम ने अपनी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के गीत तन्वी द ग्रेट सॉन्ग के लिए सोनु निगम को धन्यवाद कहा। उन्होंने लिखा, डियर सोनु निगम! मेरी निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' का सबसे महत्वपूर्ण गाना गाने के लिए धन्यवाद। अनुपम खेर स्टूडियो भाग्यशाली है कि हमारी फिल्म में आपकी जादुई आवाज और ऑस्कर विजेता एमएम कीरावनी सर के भावपूर्ण संगीत की शानदार कैमिस्ट्री है। आप हमारे प्यार और दृढ़ संकल्प की कहानी के लिए भगवान का उपहार हैं! अनुपम खेर ने 2002 में 'ओम जय जगदीश' फिल्म का निर्देशन किया था और अब वह एक बार फिर निर्देशन में वापसी करने जा रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' जुनून, साहस और मार्सुमियत की एक म्यूजिकल स्टोरी है, जिसमें कई नामी हस्तियां जुड़ी हुई हैं। इस फिल्म के गीतकार कौसर मुनीर हैं और इसमें कृति महेश (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कोरियोग्राफर) और सुनील रोड्रिग्स ('जवान' के एक्शन निर्देशक) जैसे बड़े नाम भी जुड़े हैं। फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियो द्वारा किया जा रहा है। अनुपम खेर की मास्टर क्लास और उनकी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के प्रति उनके उत्साह ने साबित कर दिया है कि वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक सशक्त निर्देशक भी हैं।



## रश्मिका और विजय की मुलाकात की तस्वीरें वायरल

हाल ही में, एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को एक लंच डेट पर देखा गया, और इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। हालांकि, रश्मिका ने अपनी एक तस्वीर शेयर की जिसमें वह लंच करते हुए नजर आ रही थीं, और उन्होंने उसी ब्लू टॉप को पहना था, जो उन्होंने विजय के साथ लंच डेट पर पहना था। यह तस्वीर वायरल हो जाने के बाद, यह स्पष्ट हो गया कि दोनों एक साथ लंच डेट पर गए थे। रश्मिका ने अपनी तस्वीर के साथ गुड फूड कैप्शन लिखा, जो उस समय की खुशी और उस लंच डेट का आनंद व्यक्त कर रहा था। इसके बाद विजय देवरकोंडा ने एक इंटरव्यू में भी यह स्वीकार किया कि वह किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह कौन है। विजय ने यह भी कहा कि वह एक मजबूत दोस्ती से पहले किसी रिश्ते में नहीं आते, और 35 साल की उम्र में यह सामान्य है कि वह अकेले नहीं रहेंगे। उनकी यह बात उस विचारधारा को प्रकट करती है कि रिश्ते की शुरुआत मजबूत दोस्ती से होनी चाहिए, क्योंकि यह एक स्थिर और स्वस्थ रिश्ते का आधार होता है। रश्मिका के लिए, यह समय फिल्मी करियर के लिहाज से भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह जल्द ही

पुष्पा-2 रूल में नजर आएंगी, जो 5 दिसंबर 2024 को रिलीज हो रही है। दूसरी ओर, विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म वीडी 12 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो उनके फैंस के लिए एक नई फिल्म का इंतजार है। बता दें कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की रिलेशनशिप के बारे में अफवाहें काफी समय से चल रही थीं, और हाल ही में इन अफवाहों ने और जोर पकड़ा है। दोनों को अवसर एक साथ स्पॉट किया जाता है, और उनकी मुलाकातों को लेकर मीडिया में कई रिपोर्ट्स आती रही हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया था, जिससे उनके प्रशंसकों और मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जाती रही थीं।

